दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

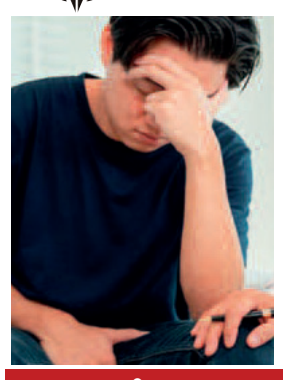

अमन लेखनी

गंभीर समस्याओं की वजह........

खुद सीखें और अपने बच्चों ....

वर्ष : 11 | अंक : 181 | लखनऊ, 18 जून, बुधवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

पीएम मोदी 51 वें जी7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के पीएम कार्नी से करेंगे मुलाकात

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 51वें जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मंगलवार को कनाडा के कानानास्किस पहुंचे है। दस वर्षों के दौरान ये पीएम नरेंद्र मोदी की पहली कनाडा की यात्रा है। कनाडा में हो रही जी7 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं के साथ चर्चा ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे प्रमुख वैश्विक विषयों पर केंद्रित होगी।

प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस से कनाडा पहुंचे। वे तीन देशों की यात्रा पर हैं और उन्हें कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया है। 16-17 जून को होने वाली जी-7 बैठक में प्रधानमंत्री मोदी लगातार छठी बार भाग ले रहे हैं। अपने 23 घंटे के प्रवास के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को जी7 आउटरीच सत्र में बोलेंगे। मंगलवार शाम को क्रोएशिया के लिए रवाना होने से पहले वह कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी सहित कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने पहले कहा था, शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री जी-7 देशों के नेताओं, अन्य आमंत्रित आउटरीच देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार, विशेष रूप से एआई-ऊर्जा संबंध और क्वांटम-संबंधी मुद्दों सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। यह शिखर सम्मेलन भारत के ऑपरेशन सिंदूर के लगभग एक महीने बाद हो रहा है, जिसमें पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया गया था। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद किया गया था।

मोदी की यात्रा का महत्व

कनाडा के पीएम कार्नी का पीएम मोदी को निमंत्रण इस बात का संकेत माना जा रहा है कि कनाडा की नई सरकार भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहती है। जून 2023 में खालिस्तानी समर्थक अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए थे। पिछले वर्ष अक्टूबर में भारत ने अपने उच्चायुक्त तथा पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था, क्योंकि कनाडा ने उनका नाम निज्जर मामले से जोड़ दिया था।

भारत ने कनाडा के राजनयिकों को भी निष्कासित कर दिया था। भारत ने कहा था कि जस्टिन ट्रूडो सरकार खालिस्तान समर्थक समूहों को कनाडा से काम करने दे रही है। ट्रूडो के पद छोड़ने के बाद इस साल मार्च में कार्नी प्रधानमंत्री बने। वह एक अर्थशास्त्री हैं और हाल ही में राजनीति में आए हैं। ट्रूडो के जाने के बाद भारत ने कहा कि वह ₹पारस्परिक विश्वास और संवेदनशीलता₹ के आधार पर कनाडा के साथ संबंधों को पुनः स्थापित करने की आशा करता है। हाल के महीनों में, दोनों देशों के सुरक्षा अधिकारियों ने संपर्क पुनः शुरू किया है।

नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति के बारे में भी बातचीत हुई है। विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ़्ते कहा था कि भारत जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और कार्नी के बीच होने वाली आगामी बैठक को विचारों के आदान-प्रदान और संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए ह्वरास्ते तलाशनेह्व के अवसर के रूप में देखता है। 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की कनाडा की पिछली यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में उन्नत किया था। कनाडा में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी हैं।

पिछली सरकार के समय सरकारी नौकरियों की होती थी नीलामी, सपा पर सीएम योगी का आरोप

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में पूरी तरह से बदलाव किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली समाजवादी पार्टी सरकार के समय इन नौकरियों की नीलामी की जाती थी। अंबेडकर नगर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकार के समय 2017 से पहले यहां सरकारी नौकरियों की नीलामी की जाती थी। इस काम में एक परिवार की बड़ी भूमिका थी। पूरा प्रदेश इस नाटक को देख रहा था। लेकिन अब योग्यता के आधार पर युवाओं को नौकरी मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने 1,184 करोड़ रुपये की 194 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना' के तहत वितरित की जा रही 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से कुल 11,690 किसान परिवार लाभान्वित होंगे। इस वर्ष आपदाओं से प्रभावित सभी किसान परिवारों को यूपी सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये की प्रतीकात्मक सहायता मिलेगी। आज यह राशि ऐसे सभी 431 परिवारों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित की जाएगी। इससे पहले रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश पुलिस के 60,244 सिविल पुलिस कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज 60 हजार से अधिक युवा भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का अभिन्न अंग बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस पूरे देश का सबसे बड़ा पुलिस बल है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो रही थी।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफटी 25,062.10

राजस्थान में कोरोना वायरस के मामले और आए, 29 नए केस दर्ज

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, देश में कोरोना वायरस के मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। इस बीच राजस्थान में सोमवार को कोविड-19 के 29 नए मामले सामने आए, जिससे इस वर्ष कुल मामलों की संख्या 456 हो गई। ताजा आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान अस्पताल, एसपीएमसी बीकानेर, एम्स जोधपुर, आरटीपीसीआर चित्तौड़गढ़, एसडीएमएच जयपुर ईएचसीसी जयपुर, एसएमएस जयपुर, एम जेनिक्स जयपुर और आरएनटी जोधपुर सहित राज्य भर के विभिन्न अस्पतालों से मामले सामने आए। इन मामलों में बांसवाड़ा से 20 वर्षीय पुरुष, बीकानेर से 18 वर्षीय महिला, चित्तौड़गढ़ से 30 वर्षीय महिला और 27 वर्षीय पुरुष, दौसा से 63 वर्षीय महिला और डीडवाना से 27 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। जयपुर में 14 नए मामले सामने आए, जिनमें 17, 39, 53 और 40 वर्ष के पुरुष तथा 19, 26, 10, 75, 30, 31, 50, 29, 22 और 21 वर्ष की महिलाएं शामिल हैं। जोधपुर में भी आठ मामले सामने आए, जिनमें एक 27 वर्षीय पुरुष शामिल है। अन्य जिलों में करौली में 59 वर्षीय महिला, कोटा में 27 वर्षीय पुरुष और उदयपुर में छह मामले दर्ज किए गए, जिनमें 48 और 45 वर्ष की आयु के पुरुष और 28, 56, 57 और 58 वर्ष की आयु की महिलाएं शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले सीएम धामी

राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर की चर्चा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रक्षा मंत्री से रानीखेत व लैंसडौन कैंट क्षेत्र को नगर पालिका में मिलाने का अनुरोध किया, जिससे इन क्षेत्रों में पर्यटन व जन सुविधाओं के समग्र विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने धारचूला व जोशीमठ के सैन्य हेलीपैडों को आरसीएस हवाई सेवा के अंतर्गत उपयोग करने की अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने राज्य में आपदा व राहत कार्यों के लिए भारतीय वायुसेना की सेवाओं के लिए देय शुल्क को माफ करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रक्षा मंत्री से ग्वालदम से नंदकेसरी होते हुए थराली देवाल-मुंदोली-वाण मोटर मार्ग के रखरखाव व अनुरक्षण का कार्य भविष्य में भी लोक निर्माण विभाग से कराए जाने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि यह सड़क राज्य की महत्वपूर्ण नंदा देवी राज जात यात्रा का मुख्य मार्ग है। यह प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण यात्रा है, जो वर्ष 2026 के लिए प्रस्तावित है। यह यात्रा राज्य की धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक है। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को केंद्रीय ऊर्जा और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत विशेष सहायता और राज्य में जलविद्युत परियोजनाओं के विकास का अनुरोध किया। एक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से ऋषिकेश-हरिद्वार क्षेत्र में बिजली लाइनों को स्वचालित करने और राज्य के कुमाऊं और ऊपरी यमुना क्षेत्रों में जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण के लिए 4,000 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर निधि के लिए भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य के दूरस्थ एवं दुर्गम भूभागों में पम्प भण्डारण परियोजनाओं के विकास हेतु 3800 करोड़ रुपए की वायबिलिटी गैप फण्ड की भी मांग की, ताकि इन क्षेत्रों में ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा सके तथा स्थानीय विकास को भी बढ़ावा मिल सके। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने पावर सिस्टम डेवलपमेंट फण्ड के अन्तर्गत पिटकुल की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं की डीपीआर स्वीकृत करने तथा इन दोनों परियोजनाओं को शत-प्रतिशत अनुदान के साथ स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

संक्षिप्त समाचार

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर रेखा गुप्ता ने की बड़ी बैठक

बोलीं- सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी सरकार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारी के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। रेखा गुप्ता ने बैठक के बाद कहा कि कांवड़ लेकर दिल्ली आने वाले लाखों शिवभक्तों पर सरकार विशेष ध्यान देगी। उन्हें सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। पिछली सरकारों के समय में सहायता और व्यवस्थाओं में जो अनियमितताएं होती थीं, उन्हें दूर करने की दिशा में सरकार काम करेगी। सरकार सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी। कांवड़ शिविर जुलाई से शुरू होंगे और शिवरात्रि तक चलेंगे।

दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली में कांवड़ यात्रा में लाखों लोग हिस्सा लेते हैं और मुख्यमंत्री ने फैसला किया है कि कांवड़ियों की सेवा के लिए विशेष तैयारियां की जाएंगी और दिल्ली में भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी और उन्हीं विशेष व्यवस्थाओं के लिए यह बैठक बुलाई गई थी। मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री कांवड़ सेवा समिति के सभी आयोजकों के साथ बैठे हैं, दिल्ली में भव्य और सुंदर कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी और हम सभी हर कांवड़िए की सेवा के लिए तैयार हैं। इससे पहले रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी को स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में देश में सर्वश्रेष्ठ बनाना चाहती है। उन्होंने यहां तीस हजारी में एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं देना है। इस मौके पर गुप्ता ने पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मोहल्ला क्लीनिक भ्रष्टाचार के अड्डे बन चुके थे।

INDIA ब्लॉक पूरी तरह एकजुट, जो लोग छोड़ना चाहते हैं, वे स्वतंत्र हैं : अखिलेश यादव

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि INDIA ब्लॉक पूरी तरह एकजुट है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बीजेपी के खिलाफ ' INDIA' के एकजुट ढांचे के भीतर ही चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद यह गठबंधन अभी भी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में इसके जरिये ही मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बरकरार है... जो लोग गठबंधन छोड़ना चाहते हैं, वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह (2027 यूपी विधानसभा) चुनाव लड़ेगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि कई राजनैतिक दल जो कुछ दिन पहले स्वदेशी नारा देते थे, उन्होंने हमारे बाजार को विदेशियों से कब्जा करा दिया। इससे पहले रविवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अराजकता और प्रशासनिक अव्यवस्था का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा भू-माफियाओं को संरक्षण देती है जो सरकारी और गरीब लोगों की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बिजली और कानून व्यवस्था जैसे आवश्यक क्षेत्र बदहाल हैं।'

यादव ने यह भी सवाल उठाया कि जब भारतीय बाजार चीनी सामानों से भरे पड़े हैं, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व स्वदेशी उत्पादों की वकालत क्यों नहीं करता। उन्होंने स्थानीय बाजारों में विदेशी उत्पादों के वर्चस्व के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

अमरनाथ यात्रा को लेकर हुआ सख्त फैसला, जम्मू कश्मीर में पूरा मार्ग हुआ नो फ्लाई जोन घोषित

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, अमरनाथ यात्रा की शुरूआत जल्द होने वाली है। इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसे देखते हुए प्रशासन ने यात्रा के पूरे रूट को नो फ्लाइ जोन घोषित कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियों और राज्य प्रशासन की मिलकर ली गई सिफारिश पर ये फैसला हुआ है। इससे यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न किया जाएगा।

नो फ्लाई जोन में शामिल क्षेत्र

अमरनाथ गुफा क्षेत्र और उसके आस पास के इलाके को सरकार ने नो फ्लाई जोन बना दिया है। यानी अब यहां कुछ भी नहीं उड़ सकेगा। यहां ड्रोन उड़ानें पर भी पाबंदी है। वहीं अमरनाथ यात्रा के दो प्रमुख रूट बालटाल और पहलगाम है। इन दोनों ही मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। इसके तहत दोनों ही मार्गों पर नो फ्लाई जोन बनाया गया है। बता दें कि अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर इस मार्ग पर कई हवाई गतिविधियों को रोक दिया गया है। इसे नो फ्लाई जोन बनाया गया है। यानी इस जगह पर किसी प्रकार की हवाई सेवाओं का संचालन नहीं होगा। इसमें ड्रोन, पैराग्लाइडर या अनधिकृत हेलीकॉप्टर उड़ानों के संचालन की अनुमति नहीं मिलेगी। वहीं इन जगहों पर अर्धसैनिक बलों और सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती की गई है। इस यात्रा को पूरी तरह से सुरक्षित और व्यवस्थि तरीके से संपन्न किया जा सके इसके इंतजाम भी है। सरकार की मानें तो ये फैसला श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए लिया गया है। श्रद्धालु बिना डर के श्रद्धा और शांति के साथ बाबा अमरनाथ के दर्शन करने पहुंचे। बता दें कि ये कदम सरकार व सुरक्षा एजेंसियां ने ऐसे समय में उठाया है जब एजेंसियां संभावित खतरे को लेकर सतर्क है।

भारत और फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास शक्ति 2025 का आयोजन

90 कर्मियों वाली सेना की टुकड़ी रवाना

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, 90 कर्मियों वाली भारतीय सेना की एक टुकड़ी भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शक्ति' के 8वें संस्करण में भाग लेने के लिए फ्रांस के लिए रवाना हुई। रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर राइफल्स के साथ-साथ अन्य हथियारों और सेवाओं के सदस्य, 18 जून से 1 जुलाई तक फ्रांस के ला कैवेलरी के कैंप लारजैक में होने वाले अभ्यास में भाग लेंगे। इस बीच, 90 कर्मियों वाली फ्रांसीसी टुकड़ी का प्रतिनिधित्व 13वीं विदेशी लीजन हाफ-ब्रिगेड (13वीं डीबीएलई) द्वारा किया जाएगा। अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना है। विज्ञप्ति के अनुसार, अभ्यास भारत और फ्रांस के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग पर प्रकाश डालेगा।

द्विवार्षिक प्रशिक्षण अभ्यास 'शक्ति', संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय श्कक के तहत उप-पारंपरिक वातावरण में संयुक्त संचालन पर केंद्रित है, जिसमें अर्ध-शहरी इलाकों में प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है। यह अभ्यास दोनों सेनाओं के लिए सामरिक अभ्यासों का पूर्वाभ्यास और परिशोधन करने, रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं (टीटीपी) में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और समकालीन सैन्य प्रौद्योगिकियों सहित नई पीढ़ी के उपकरणों पर प्रशिक्षण देने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। यह दोनों सेनाओं के बीच शारीरिक सहनशक्ति, टीम भावना, आपसी सम्मान और पेशेवर सौहार्द को भी बढ़ावा देगा। रिलीज में कहा गया है, शक्ति अभ्यास भारतीय और फ्रांसीसी सेनाओं के बीच द्विवार्षिक प्रशिक्षण है, जिसका उद्देश्य अंतर-संचालन, परिचालन समन्वय और सैन्य से सैन्य संपर्क को बढ़ाना है। यह संस्करण संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय श्कक के तहत उप-पारंपरिक वातावरण में संयुक्त संचालन पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें अर्ध-शहरी इलाकों में प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। यह अभ्यास दोनों टुकड़ियों को सामरिक अभ्यासों का अभ्यास करने और उन्हें निखारने, रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं (टीटीपी) में सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा करने, नई पीढ़ी के उपकरणों (समकालीन सैन्य प्रौद्योगिकियों) पर प्रशिक्षण लेने और शारीरिक सहनशक्ति को मजबूत करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। यह दोनों सेनाओं के बीच एकता, आपसी सम्मान और पेशेवर सौहार्द को भी बढ़ावा देगा।

बूढ़े पिता के हाथ कांप रहे थे... आंखों के आंसू सूख गये थे, पायलट सुमित सभरवाल का पार्थिव शरीर देखकर दहल गया बाप का दिल...

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, कैप्टन सुमीत सभरवाल के पिता पुष्करराज ने मुंबई के पवई में अपने घर के बाहर अपने बेटे को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कैप्टन सभरवाल लंदन जाने वाली एयर इंडिया की उस दुर्भाग्यपूर्ण उड़ान को उड़ा रहे थे, जो 12 जून को अहमदाबाद में उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। पिता की आंखे भरी हुई थी और उनके हाथ कांप रहे थे। अपने बेटे की मौत पर उसकी क्या हालत होगी इसका अंदाजा हम और लगा नहीं सकते। कैप्टन सभरवाल के पिता की उम्र ज्यादा लग रही थी। वह बस हाथ जोड़कर नम आंखों से अपने बच्चे को देख रहे थे। यह दृश्य किसी के दिल को भी तोड़ देने वाला था।

अहमदाबाद में पिछले सप्ताह दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान के पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल का पार्थिव शरीर मंगलवार को मुंबई लाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि सभरवाल के पार्थिव शरीर को एक ताबूत में रखकर विमान से सुबह मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्य शव को पवई के जल वायु विहार स्थित उनके आवास पर ले जाएंगे। उन्होंने बताया कि पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए एक घंटे तक सभरवाल के घर पर रखा जाएगा और बाद में उनका अंतिम संस्कार चकला विद्युत शवदाह गृह में किया जाएगा। सभरवाल (56) मुंबई में अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ रहते थे। लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान (एआई-171) 12 जून को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे।

विमान के एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार एक यात्री को छोड़कर बाकी सभी की मौत हो गई, जबकि मेडिकल कॉलेज परिसर में मौजूद अन्य 29 लोगों की भी मौत हो गई। इस विमान की कमान कैप्टन सभरवाल और उनके सहयोगी फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर संभाल रहे थे। डीजीसीए ने पहले एक बयान में बताया था कि सभरवाल के पास 8,200 घंटे उड़ान का अनुभव था, जबकि कुंदर के पास 1,100 घंटे उड़ान का अनुभव था।

संक्षेप

नशीली दवाओं की सप्लाई मामले में ईडी का लखनऊ, गोंडा और मुजफ्फरनगर में छापा, दवा कारोबारी का फ्लैट भी खंगाला

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पंजाब में नशीली दवाओं की सप्लाई के तार उत्तर प्रदेश से भी जुड़े हैं। लखनऊ के दवा कारोबारी अखिल जय सिंह की भूमिका सामने आने के बाद ईडी जालंधर जोन की टीम यहां पहुंची। ईडी ने लखनऊ के अलावा गोंडा व मुजफ्फरनगर में भी छानबीन की। इस दौरान नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम भी साथ थी।

ईडी ने मामले में मंगलवार को छह राज्यों में पंद्रह से अधिक ठिकानों पर छानबीन की। मंगलवार सुबह लखनऊ में गोखले मार्ग स्थित सूर्या स्क्वायर में एमजेएस एजेंसी के संचालक अखिल जय सिंह के फ्लैट के अलावा ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गोदाम व राजाजीपुरम निवासी कर्मचारी सैफुद्दीन के ठिकाने पर भी घंटों छानबीन की। दवा कारोबारी फ्लैट पर नहीं मिला।

सूत्रों का कहना है कि ईडी ने लैपटाप व कई दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। इसके अलावा गोंडा में दवा कारोबारी की कंपनी से जुड़े संतोष तिवारी व मुजफ्फरनगर में अंकित कुमार के ठिकाने पर भी छानबीन की गई। पंजाब एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) ने बीते दिनों नशीली दवाओं की सप्लाई करने वाले गिरोह को पकड़ा था। गिरोह से कई फार्मा कंपनियों से जुड़े कर्मचारी भी शामिल हैं। इसी मामले में लखनऊ के कारोबारी अखिल जय सिंह का नाम भी सामने आया था। बाद में ईडी ने भी इस मामले में मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर अपनी पड़ताल शुरू की थी।

ईडी जालंधर जोन की टीम ने मामले में पंजाब, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश व उत्तराखंड के अलावा उत्तर प्रदेश में भी पांच स्थानों पर छानबीन की। ईडी की टीम जब दवा कारोबारी के फ्लैट पर पहुंची तो वहां कर्मचारी मिले। इसके बाद किसी को भीतर नहीं जाने दिया गया। देर शाम तक छानबीन के दौरान ईडी को दवा कारोबारी नहीं मिला।

प्रेमिका के पति और बेटे ने मिलकर ओला चालक को उतारा था मौत के घाट

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीते रविवार देर रात हुई वाहन चालक संजय की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा। इस हत्याकांड के खुलासे से पवित्र रिश्तों पर एक बार फिर सवाल उठाया है. संजय की हत्या उसकी प्रेमिका के पति और बेटे ने की थी. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार और एक मोटरसाइकिल बरामद कर लिया है।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के हामिद खेड़ा निवासी संजय (40) ओला टैक्सी चलाता था. मुकेश की मां रामदुलारी ने बताया कि 14 मई की रात 12 बजे घर पर सब सो रहे थे. तभी रात में दो लोग आए और दरवाजा खटखटाने लगे. जैसे ही दरवाजा खोला दोनों युवकों ने पहले उसका गला दबा दिया. इसके बाद संजय के साथ मारपीट करने लगे और पास में रखे चारा काटने वाले बांके से संजय के सिर और कमर पर कई वार किया. संजय उठकर भागा फिर वह पास में नहर में फंस गया. दोनों बदमाशों ने नहर में पकड़कर बांके से कई वार कर बेटे संजय की हत्या कर दी. मां की सूचना पर पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर सबूत इकट्ठा किए गए. इसके साथ ही केस दर्ज हत्यारों को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई थी।

अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) जितेंद्र दुबे ने मंगलवार को बताया कि संजय की हत्या करने वाले सुनील और उसके बेटे दिव्यांश को गिरफ्तार कर लिया है. पूछताछ में सुनील ने बताया कि उसकी पत्नी मीरा के संजय के साथ अवैध संबंध थे. संजय अक्सर मीरा को बहला-फुसलाकर भगा ले जाता था. वह लोकलाज और बच्चों की खातिर परेशान था. सुनील ने बताया कि लगभग दो साल पहले उसकी पत्नी मीरा घर-परिवार छोड़कर संजय के साथ चली गई थी. इस दौरान संजय इलाके में घूम-घूम कर अपनी ₹बहादुरी₹ के किस्से सुनाता था, जिससे उसका गुस्सा और बढ़ गया. तभी ठान लिया था कि वह संजय को नहीं छोड़ेगा। रहीमाबाद इंस्पेक्टर आनंद द्विवेदी ने बताया कि आरोपी सुनील को अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है. सुनील ने पुलिस को बताया कि वह कई दिनों से संजय की रेकी कर रहा था. शहर में मौका न मिलने पर उसने गांव के आसपास हत्या की योजना बनाई और अपने बेटे दिव्यांश को भी शामिल कर लिया. रविवार को मौका मिलते ही सुनील और दिव्यांश बाइक से गांव पहुंचे. उन्होंने घर में घुसकर संजय पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और उसे मौत के घाट उतार दिया. सुनील ने बताया कि वह अपनी पत्नी को सबक सिखाना चाहता था, इसलिए उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. इनके पास से एक छूरी, एक गड़ासा और हत्या में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

स्कूटी सवार बदमाश लूट ले गए बाइक, 22 घण्टे से पुलिस सिर्फ कर रही है जांच

ड्यूटी कर लौट रहे युवक के साथ तीन बदमाशों ने दिया था वारदात को अंजाम.....

अमन लेखनी समाचार/ सौरभ सिंह

घटना के दूसरे दिन भी नही दर्ज हुआ मुकदमा....

मोहनलालगंज। निगोहां थाना क्षेत्र के मीरक नगर निवासी संदीप कुमार के साथ बीती रात लूट की वारदात हुई जानकारी के अनुसार संदीप प्राइवेट ड्यूटी कर देर रात पल्सर मोटरसाइकिल से लखनऊ से अपने घर लौट रहे थे देर रात जब वह रेलवे क्रॉसिंग बैरीशालपुर के पास पहुँचे, तभी स्कूटी सवार तीन युवकों ने उनका पीछा करना शुरू किया पीड़ित ने बताया कि करनपुर गांव स्थित व्यास बाबा मंदिर के पास उन तीनों युवकों ने उसे रोका, गाली-गलौज की और धमकी देते हुए उसकी पल्सर बाइक यूपी 32 एम डब्लू 9052 छीन ली वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए संदीप किसी तरह जान बचाकर भागे और अपने साथियों को फोन कर घटना की जानकारी दी बाद में थाने पहुँचकर घटना की लिखित सूचना दी गई।

इस मामले में एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है जल्द ही घटना के साक्ष्य जुटाकर मुकदमा दर्ज किया जाएगा पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं और बदमाशों की तलाश तेज कर दी है इस घटना से क्षेत्रीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

ट्रैफिक पुलिस का सड़क सुरक्षा अभियान

अहमामऊ चौराहे पर 50 हेलमेट वितरित कर किया जागरूक.....

अमन लेखनी समाचार/सौरभ सिंह

लखनऊ। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित के निर्देशन में लखनऊ यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं इसी क्रम में मंगलवार को अहमामऊ चौराहे पर एक विशेष हेलमेट वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 50 दोपहिया वाहन चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए गए।

इस जागरूकता कार्यक्रम की अगुवाई एसीपी ट्रैफिक इंद्रपाल सिंह ने की उनके साथ ट्रैफिक इंस्पेक्टर शैलेश पांडे, ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर विकास सिंह, दीपचंद, अभिनंदन और सावक सिंह भी मौजूद रहे टीम ने वाहन चालकों को रोक कर हेलमेट के उपयोग की आवश्यकता और यातायात नियमों के पालन की जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि हेलमेट सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षक उपकरण है, जो सड़क हादसों के दौरान गंभीर चोटों से बचा सकता है कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और युवाओं से सीधे संवाद कर सड़क सुरक्षा की अहमियत पर जोर दिया उन्होंने यह भी बताया कि बिना हेलमेट के वाहन चलाना कानूनन अपराध है और इससे न केवल जुमार्ना भरना पड़ सकता है बल्कि जान भी जोखिम में पड़ती है डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर सड़क हादसों में कमी लाना है हेलमेट वितरण जैसे अभियानों के जरिए हम यह संदेश देना चाहते हैं कि सड़क पर सुरक्षा सबसे पहले होनी चाहिए यातायात पुलिस के इस प्रयास की स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने सराहना की और भविष्य में हेलमेट का नियमित उपयोग करने का संकल्प लिया इस प्रकार के अभियान आने वाले दिनों में लखनऊ के अन्य प्रमुख चौराहों और इलाकों में भी आयोजित किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक लोग यातायात नियमों के प्रति जागरूक हों और राजधानी की सड़कों को सुरक्षित बनाया जा सके।

रेप का झूठा मुकदमा दर्ज कराने वाली महिला को सात साल की सजा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अपने विरोधियों को फंसाने के लिए सामूहिक दुष्कर्म और एससी/एसटी एक्ट का झूठा मुकदमा दर्ज कराने वाली महिला रेखा देवी को दोषी ठहराते हुए एससी/एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने साढ़े सात साल की सजा सुनाई है। दो लाख दस हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। प्रविधान है कि दुष्कर्म की जब कोई रिपोर्ट दर्ज होती है तो पीड़िता को तुरंत ही एक निश्चित सहायता राशि राहत के रूप में मिल जाती है। कोर्ट ने लखनऊ के जिलाधिकारी को आदेशित किया है कि जब किसी मामले में पुलिस आरोपित के खिलाफ चार्जशीट दायर करे तभी पीड़िता को राहत राशि दी जाए, केवल रिपोर्ट दर्ज कराने पर कोई सहायता राशि न दी जाए।

कोर्ट ने माना है कि रिपोर्ट दर्ज कराने पर तुरंत राहत राशि दिए जाने से फर्जी और झूठा मुकदमा दर्ज करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। अगर चार्जशीट दायर होने के बाद राहत राशि दी जाएगी तो झूठा मुकदमा दर्ज कराने के चलन पर रोक लगेगी। जज ने जुमार्ने की आधी रकम मामले में झूठे फंसाए गए आरोपित या उनके परिवार को देने का भी आदेश दिया है। भूपेंद्र की सुनवाई के दौरान मौत हो गई थी। कोर्ट ने मुआवजे की रकम उसके उत्तराधिकारियों को देने को कहा है।

एससी/एसटी एक्ट के विशेष अभियोजक अरविंद मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि बाराबंकी के जैदपुर की रहने वाली रेखा देवी ने स्थानीय थाने में 29 जून 2021 को राजेश और भूपेंद्र के खिलाफ जानमाल की धमकी देने और सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। घटनास्थल थाना बीकेटी का होने के कारण मामले की विवेचना को लखनऊ के बीकेटी थाने में भेज दिया गया, जहां पता चला की वादिनी अनुसूचित जाति की है, लिहाजा मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी ने की। सीओ को जांच के दौरान पता चला कि आरोपितों को झूठा फंसाने के लिए मुकदमा दर्ज कराया है। इस पर विवेचक ने मामले के आरोपितों को क्लीन चिट देते हुए झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने वाली रेखा के खिलाफ कार्रवाई के लिए कोर्ट से मांग की थी।

कोर्ट ने माना है कि रिपोर्ट दर्ज कराने पर तुरंत राहत राशि दिए जाने से फर्जी और झूठा मुकदमा दर्ज करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। अगर चार्जशीट दायर होने के बाद राहत राशि दी जाएगी तो झूठा मुकदमा दर्ज कराने के चलन पर रोक लगेगी। जज ने जुमार्ने की आधी रकम मामले में झूठे फंसाए गए आरोपित या उनके परिवार को देने का भी आदेश दिया है। भूपेंद्र की सुनवाई के दौरान मौत हो गई थी। कोर्ट ने मुआवजे की रकम उसके उत्तराधिकारियों को देने को कहा है।

ढुबई जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान कैंसिल, यात्री हुए परेशान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी निरस्त रही। दुबई जाने वाले यात्री उड़ान निरस्त होने के कारण परेशान हो गए।

दुबई से मंगलवार सुबह 7:50 बजे लखनऊ आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स-194 को निरस्त कर दिया गया। यह उड़ान लखनऊ से सुबह 08:50 बजे दुबई के लिए उड़ान भरती है। दुबई से विमान के निरस्त होने के कारण लखनऊ से भी यह विमान रवाना नहीं हो सका। सोमवार को भी एअर इंडिया की उड़ान निरस्त थी। इसी तरह शारजाह से लखनऊ आने वाला इंडिगो का विमान 6ई-1424 सुबह 07:15 बजे के स्थान पर तीन घंटे की देरी सुबह 10:12 बजे लखनऊ पहुंचा।

मुंबई-लखनऊ इंडिगो का विमान 6ई-677 दो घंटे, दिल्ली-लखनऊ एअर इंडिया का विमान 1:45 घंटे, लखनऊ-मुंबई की उड़ान आईएक्स-1235 तीन घंटे, दिल्ली-लखनऊ एअर इंडिया का विमान दो घंटे देरी से आया।

विमान जेद्दा रवाना

लखनऊ एयरपोर्ट पर मरम्मत के बाद सऊदी अरबिया एयरलाइन के विमान को लखनऊ से जेद्दा रवाना कर दिया गया। विमान की हार्ड लैंडिंग के दौरान रविवार सुबह पहिए से धुआं उठने लगा था। वहीं, एयरलाइन ने इस घटना की रिपोर्ट डीजीसीए को भेज दी है।

मुंबई-लखनऊ इंडिगो का विमान 6ई-677 दो घंटे, दिल्ली-लखनऊ एअर इंडिया का विमान 1:45 घंटे, लखनऊ-मुंबई की उड़ान आईएक्स-1235 तीन घंटे, दिल्ली-लखनऊ एअर इंडिया का विमान दो घंटे देरी से आया।

नन्दौली पंचायत भवन से अतिक्रमण हटवाने को लेकर प्रधान संघ का धरना प्रदर्शन

प्रधान संघ के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह की अगुवाई में दर्जनों ग्राम प्रधानों ने उठाई आवाज, प्रशासन ने मौके पर पहुँचकर हटवाया कब्जा

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। विकासखंड मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत नन्दौली में पंचायत भवन के मुख्य द्वार पर किए गए अतिक्रमण के विरोध में प्रधान संघ के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह की अगुवाई में ग्राम प्रधानों ने विकासखंड कार्यालय पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया ग्राम प्रधान रीना सिंह की शिकायत पर प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कब्जा हटवा दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया ग्राम प्रधान रीना सिंह ने गांव के ही निवासी उमेश सिंह पर पंचायत भवन के मुख्य रास्ते को अवरुद्ध करने का आरोप लगाया था उनके अनुसार, झोपड़ी और छप्पर डालकर पंचायत भवन का रास्ता बंद कर दिया गया था, जिससे ग्रामीणों और पंचायत के कामों में भारी दिक्कत हो रही थी।

धरना प्रदर्शन की सूचना पर खंड विकास अधिकारी आशुतोष कुमार श्रीवास्तव, एसीपी रजनीश वर्मा, तथा तहसीलदार मौके पर पहुंचे और प्रधानों की समस्याएं सुनते हुए मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश दिए तत्परता दिखाते हुए प्रशासन ने राजस्व विभाग की टीम को भेजा और अतिक्रमण हटवाया वहीं साथ ही गोविंदपुर ग्राम पंचायत की महिला प्रधान और उनके प्रतिनिधि के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर भी आक्रोश व्यक्त किया गया प्रधानों का कहना था कि महिला प्रधान का नाम बिना आधार एफआईआर में जोड़ा गया है इस पर अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया और कहा कि यदि महिला प्रधान का नाम गलत जोड़ा गया है, तो उसे हटाया जाएगा पंचायत भवन का रास्ता खुलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया प्रधान रीना सिंह ने प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सार्वजनिक संपत्ति पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सामाजिक समरसता का संदेश लेकर निकला विशाल भंडारा.....

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल निगोहां ने किया आयोजन, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया पौधारोपण.....

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। निगोहां कस्बे में सोमवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल निगोहां द्वारा एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया सामाजिक समरसता, पर्यावरण जागरूकता और सेवा भावना को समर्पित इस आयोजन में बड़ी संख्या में राहगीरों, व्यापारियों, समाजसेवियों व स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रविन्द्र तिवारी उर्फ सोनू तिवारी ने कहा कि सामाजिक एकजुटता और भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐसे आयोजनों की कड़ी भविष्य में भी जारी रहेगी मंडल के संरक्षक अजय सिंह ने सभी आगंतुकों व क्षेत्रवासियों के प्रति आभार प्रकट किया कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पधारे अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए पौधारोपण किया उन्होंने कहा कि आज के समय में ऑक्सीजन की कमी और बढ़ती बीमारियों के बीच पर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु प्रत्येक नागरिक को अपने आस-पास पौधे लगाने और उनकी देखरेख करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मोहनलालगंज व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय पांडेय, निगोहां उद्योग व्यापार मंडल महामंत्री पंकज मिश्रा, आशीष द्विवेदी, सतीश सोनी, शिवकुमार जायसवाल, राहुल गुप्ता, लालजी तिवारी, विकास सिंह, योगेश बाजपेयी, अजय गुप्ता, अंकुर मिश्रा नीशू, संदीप गुप्ता प्रियंका सिंह रघुवंशी सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था की सराहना की कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों का भी भरपूर सहयोग रहा।

ड्यूटी कर लौट रहे युवक से पल्सर बाइक स्कूटी सवार तीन बदमाशों ने छीनी.....

अमन लेखनी समाचार/सौरभ सिंह

मोहनलालगंज। निगोहां थाना क्षेत्र के मीरक नगर निवासी संदीप कुमार के साथ बीती रात लूट की वारदात हुई जानकारी के अनुसार संदीप प्राइवेट ड्यूटी कर देर रात पल्सर मोटरसाइकिल से लखनऊ से अपने घर लौट रहे थे देर रात जब वह रेलवे क्रॉसिंग बैरिशालपुर के पास पहुँचे, तभी स्कूटी सवार तीन युवकों ने उनका पीछा करना शुरू किया।पीड़ित ने बताया कि करनपुर गांव स्थित व्यास बाबा मंदिर के पास उन तीनों युवकों ने उसे रोका, गाली-गलौज की और धमकी देते हुए उसकी पल्सर बाइक वढ 32 टह 9052 छीन ली वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए संदीप किसी तरह जान बचाकर भागे और अपने साथियों को फोन कर घटना की जानकारी दी बाद में थाने पहुँचकर घटना की लिखित सूचना दी गई ।इस मामले में एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है जल्द ही घटना के साक्ष्य जुटाकर मुकदमा दर्ज किया जाएगा पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं और बदमाशों की तलाश तेज कर दी है इस घटना से क्षेत्रीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

नेपाल सीमा से आने वाले संदिग्धों की बढ़ी निगरानी

पुलिस को चेकिंग बढ़ाने का निर्देश; हवाला कारोबारियों पर भी निगाह

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध मदरसों व अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान के तहत कार्रवाई के बाद संदिग्धों को लेकर छानबीन शुरू कराई गई है। खासकर नेपाल सीमा से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर कड़ी नजर रखे जाने के साथ ही हवाला कारोबारियों की छानबीन का निर्देश दिया गया है। एसएसबी से समन्वय बढ़ाकर नेपाल सीमा पर प्रभावी चेकिंग कराए जाने का निर्देश है।

आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से नेपाल सीमा हमेशा से संवेदनशील रही है। नेपाल के रास्ते अपराधियों व तस्करों की घुसपैठ बड़े स्तर पर रही है। खुफिया इनपुट के आधार पर मादक पदार्थ तस्करों पर नकेल कसने के लिए भी सीमा पार से होने वाली गतिविधियों की निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। संदिग्धों को सूचीबद्ध किए जाने के साथ ही पूर्व में पकड़े गए तस्करों की वर्तमान गतिविधियों की जानकारी की जा रही है। नेपाल की सीमा खुली होने की वजह से पुलिस के लिए चेकिंग हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। कई बार कुख्यात प्रदेश में वारदात के बाद नेपाल सीमा से सटे जिलों में शरण लेते हैं और फिर नेपाल के रास्ते भाग निकलते हैं। इसके अलावा तस्करों के लिए भी नेपाल के रास्ते मादक पदार्थों को प्रदेश में पहुंचाना आसान रहा है। इस सिंडीकेट को तोड़ने के लिए खुफिया एजेंसियों को भी सक्रिय किया गया है। महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी व पीलीभीत के पुलिस अधिकारियों को जांच एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहकर महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा किए जाने का निर्देश भी दिया गया है। डीजीपी राजीव कृष्ण का कहना है कि नेपाल सीमा से सटे जिलों में एसएसबी के समन्वय से प्रभावी चेकिंग कराए जाने व संदिग्धों की निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। नेपाल की सीमा खुली होने की वजह से पुलिस के लिए चेकिंग हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। कई बार कुख्यात प्रदेश में वारदात के बाद नेपाल सीमा से सटे जिलों में शरण लेते हैं और फिर नेपाल के रास्ते भाग निकलते हैं। इसके अलावा तस्करों के लिए भी नेपाल के रास्ते मादक पदार्थों को प्रदेश में पहुंचाना आसान रहा है। इस सिंडीकेट को तोड़ने के लिए खुफिया एजेंसियों को भी सक्रिय किया गया है। महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी व पीलीभीत के पुलिस अधिकारियों को जांच एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहकर महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा किए जाने का निर्देश भी दिया गया है। डीजीपी राजीव कृष्ण का कहना है कि नेपाल सीमा से सटे जिलों में एसएसबी के समन्वय से प्रभावी चेकिंग कराए जाने व संदिग्धों की निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

राज्य मंत्री धर्मपाल सिंह ने अपनाया सख्त रुख

आजमगढ़-प्रयागराज दुग्ध संघ महाप्रबंधकों पर होगी कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दुग्ध उपार्जन में कमी ओर समितियों का गठन न करने पर दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। लापरवाही पर दुग्ध संघ प्रयागराज और आजमगढ़ के महाप्रबंधकों के विरुद्ध कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

वहीं विभागीय लक्ष्यों को लेकर धीमी प्रगति पर दुग्ध संघ मीरजापुर, चित्रकूट, बस्ती, गोंडा, कानपुर नगर, मेरठ और मुजफ्फरनगर के महाप्रबंधकों को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने कहा है कि किसी भी योजना में लक्ष्य प्राप्ति में विलंब होने पर संबंधित का वेतन रोक दिया जाएगा और सख्त कार्रवाई की जायेगी। प्रत्येक दशा में सभी किसानों का शत-प्रतिशत बकाया दुग्ध मूल्य भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

मंगलवार को पीसीडीएफ सभागार में दुग्ध विकास मंत्री ने दुग्ध संघों के अध्यक्षों व महाप्रबंधकों के साथ बैठक कर तीन माह के कार्यों की समीक्षा की। कहा कि सभी महाप्रबंधक नई समितियां बनाएं और समिति के सदस्यों को स्वदेशी गोपालन के लिए संचालित योजनाओं का लाभ उठाने को प्रोत्साहित करे।पराग के उत्पादों की गुणवत्ता में कोई समझौता न किया जाए। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि को समितियों की संख्या बढ़ाई जाए। निष्क्रिय समितियों को क्रियाशील किया जाए। पशुपालकों को प्रशिक्षित कर दुग्ध उत्पादन की नई तकनीक की जानकारी दी जाएग, जिससे प्रति पशु दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि हो सके।

संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला अधेड़ युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मवई भान चौराहें से 100 मीटर दूर गौरी गांव निवासी राम कुमार पुत्र स्वर्गीय भोला द्विवेदी के आम के बाग में लगभग 55 वर्षीय अज्ञात अधेड़ युवक पड़ा ग्रामीणों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से उसे सीएचसी में भर्ती कराया जहां पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।प्रभारी निरीक्षक सुब्रत त्रिपाठी ने बताया है कि उसकी जेब से मिले कागजो से पहचान सदर कोतवाली के मोहल्ला रामपुरी निवासी आशीष कुमार वर्मा 55 वर्ष पुत्र गोमती प्रसाद वर्मा के रूप में हुई परिजनों से बात की तो पता चला कि उसकी पिछले लगभग 15 वर्ष से मानसिक स्थित ठीक नहीं थी और वो सोमवार को घर से निकल गए थे जिसकी तलाश की जा रही थी वहीं मृतक के शरीर पर कोई भी चोट के निशान नही मिले है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी

लकड़ी लदे ई रिक्शे से बाइक की टक्कर, चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ मार्ग स्थित मऊ रेलवे क्रासिंग के निकट बांगरमऊ की ओर से लकड़ी लदा जा रहा ई रिक्शा अचानक अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बाइक से टकरा गया.हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया.वही हादसे के बाद ई रिक्शा चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया. कोतवाली क्षेत्र के मदारपुर गांव निवासी मुजीब खान 40 वर्ष पुत्र खलील किसी काम से तकिया गया था.जहां से वापस घर लौट रहा था.इसी दौरान मऊ क्रासिंग के निकट टक्कर हों गई.हादसे में घायल युवक को सीएचसी में भर्ती कराया गया है जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया हैं।वही सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

अंग्रेजी शराब के सेल्समैन के साथ दबंगो ने की मारपीट

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र बरहा खुर्द गांव निवासी सर्वेश जयसवाल पुत्र रामगोपाल ने हसनगंज कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि क्षेत्र के गजफ्फरनगर गांव में अंग्रेजी शराब की दुकान पर सेल्समैन का कार्य करता हूं 11 जून को दुकान पर शराब बेच रहा था।तभी अंकित सिंह व हिमांशु सिंह पुत्र गण रामविलास सिंह निवासी मलकादिम सराय ने आकर शराब उधार मांगने लगे उधार शराब देने से मना किया तो दोनों लोगों ने गाली गलौज कर मारपीट करने लगे, सेल्समैन ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग कीकोतवाली प्रभारी संदीप शुक्ला ने बताया कि सेल्समैन की तहरीर पर दो आरोपियों पर मारपीट , गाली गलौज सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

पत्नी को फसाने के लिए युवक ने अपने दो मासूम बच्चों को उतारा था मौत के घाट

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।एक पिता ने 6 माह के बेटे और ढाई साल की बेटी को जहर पिलाकर मार डाला।वजह यह थी कि आरोपी ने खाना न बनाने पर पत्नी को पीट दिया था।गुस्से में पत्नी मायके चली गई थी।आरोपी बार-बार उसे फोन कर वापस बुला रहा था, लेकिन वह नहीं लौटी। इसके बाद आरोपी बच्चों को उनकी मां से मिलाने के बहाने घर से ससुराल के लिए निकला।घर से करीब 1 किलोमीटर दूर उसने बच्चों को कोल्ड ड्रिंक में जहर दे दिया। दोनों बच्चों की मौत हो गई, तो उसने पुलिस को सूचना दी।पत्नी को फंसाने के लिए उसने कहानी गढ़ दी।बच्चों को गोद में लेकर खूब रोया और पुलिस को बताया- पत्नी ने बच्चों से मिलने के लिए खेत में बुलाया था।तभी खेत में जानवर आ गए, जिन्हें भगाने मैं चला गया।इस दौरान पत्नी ने बच्चों को जहर दे दिया। पुलिस ने बच्चों की मां को हिरासत में लेकर पूछताछकी, लेकिन महिला बार-बार कहती रही- मैंने हत्या नहीं की है।इसके बाद पुलिस ने पिता को हिरासत में लिया।पूछताछ में वह बार-बार अपने बयान बदलता रहा। पुलिस ने जब कॉल डिटेल खंगाली, तो एक कॉलपुलिस ने जब कॉल डिटेल खंगाली, तो एक कॉल रिकॉर्डिंग हाथ लगी, जिसमें आरोपी ने पत्नी को धमकी दी थी- घर नहीं आई तो बच्चों को जान से मार दूंगा।इसके बाद पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की, तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। घटना सोमवार को उन्नाव के पुरवा थाना क्षेत्र में हुई।रम्माखेड़ा गांव निवासी रोहित की शादी 8 साल पहले नेहा से हुई थी। उसके दो बच्चे थे- ऋतिक (6 माह) और सोनाक्षी (ढाई साल)। आरोपी रोहित ने पुलिस को बताया- 10 दिन पहले मेरी पत्नी नेहा से रात के खाने को लेकर झगड़ा हो गया था।उसने खाना बनाने से मना कर दिया, तो मैंने उसे पीट दिया।इसके बाद वह मायके चली गई।नेहा के जाने के बाद मुझे दोनों बच्चों की देखभाल में दिक्कत होने लगी।6 दिन पहले मैंने नेहा को फोन कर कहा- ये तुम्हारे भी बच्चे हैं, आ जाओ और इनकी देखभाल करो।लेकिन उसने आने से इनकार कर दिया।रविवार को मैंने उसे फिर फोन कर धमकी दी कि अगर नहीं आई तो बच्चों को मार दूंगा।फिर भी वह नहीं आई।मुझे बहुत गुस्सा आया। मैंने रविवार को गांव के ही मंगू की दुकान से सल्फास खरीदी और सोमवार सुबह कोल्ड ड्रिंक की बोतल। फिर घरवालों से कहा कि नेहा बच्चों से मिलना चाहती है। घर से 1 किमी दूर जाकर बच्चों को कोल्ड ड्रिंक में जहर दे दिया। इसके बाद बच्चों को लेकर घर लौटने लगा। रास्ते में ऋतिक को उल्टियां होने लगीं। मैंने अपने चाचा दिलीप को फोन किया। जब तक वे पहुंचे, दोनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। फिर मैंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो मैंने पत्नी को फंसाने के लिए कहानी बना दी। कहा-नेहा ने बच्चों को देखने के लिए खेत बुलाया था। मैं बच्चों को लेकर खेत पहुंचा। वह बच्चों से बात कर रही थी, तभी जानवर खेत में घुस आए। मैं उन्हें भगाने गया और इसी दौरान नेहा ने बच्चों को जहर दे दिया। हालांकि, रोहित की बातों पर पुलिस को भरोसा नहीं हुआ।घटना के बाद एसपी दीपक भूकर ने रकळ गठित की। टीम ने जांच की शुरूआत की और सबसे पहले घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पत्नी से पूछताछ की गई, लेकिन वह बार-बार कहती रही कि उसने बच्चों की हत्या नहीं की। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ की। चश्मदीदों ने बताया कि रोहित ने खुद बच्चों को कोल्ड ड्रिंक पिलाई थी। इसके बाद पुलिस ने रोहित को हिरासत में लिया। पूछताछ में वह बार-बार बयान बदलता रहा- कभी कहता पत्नी ने जहर दिया, कभी कहता गलती से हो गया। पुलिस को शक हुआ तो कॉल डिटेल खंगाली गई। इसमें एक कॉल रिकॉर्डिंग मिली, जिसमें रोहित ने नेहा को धमकी दी थी- घर नहीं आई तो बच्चों को जान से मार दूंगा।इसके बाद पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।रढ दीपक भूकर ने बताया कि आरोपी रोहित को गिरफ्तार कर लिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला और स्पष्ट हो जाएगा। यह अति संवेदनशील मामला है। हर तथ्य के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

नहर में पड़ा मिला अज्ञात महिला का शव, मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के पी डी नगर नहर में मंगलवार सुबह लगभग 60 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया।लोगों ने नहर में शव बहने की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचाकर शव बाहर निकलवाकर शिनाख्त शुरू किया। बताया जा रहा है कि महिला का शव नहर में उतराकर आया हुआ था। आसपास के लोगों ने शव देखकर पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचित किया, जिसके बाद सदर कोतवाल अवनीश सिंह और अस्पताल चौकी इंचार्ज अंजनी सिंह ने दल बल सहित मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आस पास रहने वालों से शिनाख्त करवाने की भी कोशिश किया, लेकिन कोई भी मृत महिला की पहचान नहीं बता सका। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है, जहां चिकित्सकों की टीम शव का पोस्टमार्टम कर मौत की असली वजह तय करेगी। पुलिस ने आसपास रहने वाले लोगों से भी संपर्क किया, साथ ही गांव और शहरी इलाके की पुलिस चौकियों से गायब लोगों की जानकारी मांगी जा रही है, ताकि मृतका की शिनाख्त किया जा सके।गौरतलब है कि घटनास्थल से मात्र थोड़ा ही दूर भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र स्थित विधायक आसुतोष शुक्ला का निवास भी है। घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैलाकर रखा हुआ है, लोगों ने पुलिस से मामले की गहन जांच किए जाने की मांग किया है, ताकि असली कारणों का खुलासा किया जा सके। फिलहाल पुलिस ने शव मिलने की सूचना जिले भर के थाने-चौकियों तक पहुंचा दी है, साथ ही सोशल मीडिया पर भी फोटो जारी किया जाएगा

ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचे और शिनाख्त संभव हो सके। पुलिस ने लोगों से अपील किया है कि अगर उनके आस-पड़ोस या संबंधियों में कोई गायब है या इस संदेश या फोटो से कोई जानकारी उनके पास है, तो तत्काल पुलिस से संपर्क साधें।सदर कोतवाली प्रभारी अवनीश सिंह ने बताया कि शव की शिनाख्त की जा रही उसके नियमानुसार पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।पुलिस ने फिलहाल अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया है और हर एंगल से घटना की जांच किया जा रही है।

अनियंत्रित ट्रक ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर, एक की मौत, साथी घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के लखनऊ रोड चौराहे पर तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी चला रहे युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पीछे बैठा युवक गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के ग्राम बरुआघाट निवासी 50 वर्षीय नरेश चंद्र पुत्र मूलचंद्र गांव में भी मोबाइल की दुकान किए है।मंगलवार दोपहर वह गांव के ही महेश को स्कूटी पर बिठाकर बांगरमऊ नगर में सरसों का तेल लेने आ रहा था। तभी लखनऊ रोड चौराहे के पास उन्नाव की ओर से आ रहे लकड़ी लदे ट्रक ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में नरेश की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि महेश गम्भीर घायल हो गए।जिसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।हादसे की सूचना पर सीएचसी पहुंची दिवंगत की पत्नी मीना देवी समेत अन्य स्वजन में चीख पुकार मच गई। दिवंगत अपने पूछे एक बेटे शुभम और तीन बेटियों कंचन,वंदना और शालू को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया।हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया है।

जिलाधिकारी ने गायों को खिलाया चना व केला वही दान दाता किसानों को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। विकास खंड की ग्राम पंचायत मखदूम नगर की गौशाला में भूसा दान महोत्सव का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने गौशाला में गोवंशों को माला पहनाकर, गुड़, चना व केला खिलाया। जिलाधिकारी ने गौशाला के केयरटेकर राजपाल से गोवंशों की देखरेख की जानकारी ली। केयरटेकर को 6,000 प्रतिमाह वेतन मिलता है। डीएम ने गोवंशों के लिए हरा चारा, भूसा और स्वच्छ पानी की व्यवस्था के लिए ग्राम प्रधान उमा देवी, उनके पति शिव शंकर और ग्राम विकास अधिकारी शकुशल सिंह की सराहना की।जिलाधिकारी ने दुधारू गायों के लिए विशेष हरे चारे और दाने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। इससे गरीब परिवारों के बच्चों को गौशाला से दूध मिल सकेगा। कार्यक्रम में किसानों ने भूसा दान किया। अरुण कुमार ने 5 कुंतल, रघुनंदन ने 7 कुंतल, रामकुमार ने 4 कुंतल और साग ने 6 कुंतल भूसा दान किया। जिलाधिकारी ने इन किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में एसडीएम न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रभारी तहसीलदार आशुतोष उपाध्याय, खंड विकास अधिकारी श्वेता त्रिपाठी, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. भूपेंद्र समेत कई अधिकारी, किसान और ग्रामीण मौजूद रहे।

गौशाला के लिए भूसा दान शिविर का आयोजन, ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर किया दान

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव।क्षेत्र की ग्रामसभा अहमदाबाद सेन नगर में गौशाला के लिए भूसा दान शिविर का आयोजन किया गया।जिसमे ग्राम वासियों ने लगभग पच्चीस कुंतल भूसा गौशाला के लिए दान किया। दान देने वालों को कार्यक्रम में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक श्री कांत कटियार ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से क्षेत्र में जागरूकता आयेगी और गौशालाओं को चारा मिलने से गायों की दशा में सुधार भी होगा यह पुण्य का काम है जिसमें सबको यथा संभव बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। ग्राम सभा अहमदाबाद सेन नगर की गौशाला में मंगलवार को भूसा दान शिविर लगाया गया जिसमे गाँव के गांव के अनिल कुमार , विनोद कुमार, संतोष कुमार, कमलेश कुमार, तथा रामबाबू आदि ने लगभग पच्चीस कुंतल भूसा गौशाला के लिए दान किया।इस मौके पर विधायक के अलावा प्रधान सर्वेश कुमार, ब्लाक प्रमुख मनोज कुमार बी डी ओ श्वेता त्रिपाठी आदि के अलावा ग्रामीण मौजूद रहे।

एक पुलिस चौकी प्रभारी लाइन हाजिर दूसरे का गैर जनपद हुआ ट्रांसफर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने अपराध नियंत्रण में विफलता पर कड़ी कार्रवाई की है। मगरवारा चौकी प्रभारी रवि मिश्रा को लाइन हाजिर कर दिया गया है।बक्सर पुलिस चौकी के प्रभारी राकेश तिवारी का अयोध्या परिक्षेत्र में स्थानांतरण किया गया है। मगरवारा चौकी प्रभारी रवि मिश्रा पर एक माह से क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम में विफलता के आरोप थे। क्षेत्र में चोरी और मारपीट की घटनाएं बढ़ रही थीं। स्थानीय लोगों की शिकायतों पर उचित कार्रवाई नहीं की गई। विभागीय जांच में रवि मिश्रा की भूमिका संदिग्ध पाई गई। बक्सर चौकी के इंचार्ज राकेश तिवारी के कार्यकाल में कानून व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक नहीं रही। उनका स्थानांतरण अयोध्या परिक्षेत्र को पहले से स्वीकृत था।प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें रवाना कर दिया गया। दोनों चौकियां अभी खाली हैं।जल्द ही नए प्रभारी तैनात किए जाएंगे। एसपी दीपक भूकर ने कहा कि जनहित में पुलिस की जिम्मेदारी सर्वोपरि है। कर्तव्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

महिला की हुई मौत परिजनो ने गलत इलाज करने का डाक्टर पर लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के डहरोली गांव में एक क्लिनिक में गलत इलाज से 32 वर्षीय महिला की मौत हो गई।मृतक की पहचान मुंडेरा गांव निवासी प्रेमकुमार की पत्नी उमा के रूप में हुई है। सोमवार को उमा को दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई। परिजन उसे डहरोली गांव में क्लिनिक चला रहे डाक्टर के पास गए जहां पर डाक्टर ने उसे दवा देकर उमा को घर भेज दिया।शाम को उमा की तबीयत फिर बिगड़ी।परिजन उसे दोबारा क्लिनिक ले गए। वहां पर डाक्टर के बेटे ने इंजेक्शन लगा दिया। इससे उमा की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कोतवाली ले गई। पुलिस के अनुसार आरोपी डॉक्टर फरार हो गया है। परिजनों ने अभी तक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। मृतका के तीन बच्चे हैं 12 वर्षीय अवनीश, 10 वर्षीय लक्ष्मी और 7 वर्षीय आकाश। मां की मौत से बच्चे बेहद दुखी हैं।

धीरे-धीरे सारस पक्षी की प्रजाति होती जा रही है विलुप्त

अमन लेखनी समाचार/नरेश मिश्रा

सुमेरपुर, उन्नाव। भगवंतनगर क्षेत्र के आस पास मई जून महीने में दिखने वाले सारस की चहचहाट अब नगण्य हो चुकी है। पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण तथा संवर्धन के लिए निरन्तर कार्यरत सेवा संस्थान द्वारा इन पक्षियों की गणना भी की जाती है । संस्था के सदस्यों द्वारा सम्पूर्ण वर्षभर सारस के विश्राम स्थल, प्रजनन अधिवास तथा भोजन के लिए उपयुक्त भ्रमण मार्ग का सर्वे किया जाता है भगवंतनगर क्षेत्र मे सारस पक्षी अब न बराबर दिखते है।

बिजली की अति उच्च धारा वाले तारों से भी इनको बहुत बड़ा खतरा है। इसके अतिरिक्त इनके शिकार एवं अंडो तथा चूजों की तस्करी के भी कारण भी इनकी संख्या कम होती जा रही है। जंगली बिल्लियां और लोमड़ियां कभी-कभी इनके बच्चों को उठा ले जाती हैं। विभिन्न रासायनिक खादों और मशीनीकरण ने भी इनके जीवन पर प्रभाव डाला है। सारस पक्षियों की घटती हुई संख्या इस बात का द्योतक है कि अब खतरे का समय आ चुका है और हमारे पर्यावरण और समाज में बड़े स्तर पर बदलाव की आवश्यकता है। क्षेत्र के बड़े बुजुर्ग बताते है सारस पक्षियों को वाणी पक्षी भी बोला जाता है जिनकी आवाज दूर दूर तक सुनी जाती थी। नहरों के किनारे होनी वाली खेती में इन पक्षियों की कभी भरमार रहती थी। अब मुश्किल से ही ये पक्षी दिख पाते है।

आम बागवान हल्दी की सहफसली खेती से करेंगे अतिरिक्त कमाई

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। आज कृषि विज्ञान केन्द्र, धौरा, उन्नाव में आम के बागवानों को आम के बाग में हल्दी की अन्तः फसली खेती को बढ़ावा देने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, धौरा, उन्नाव द्वार राज्य औद्योनिक मिशन योजनांतर्गत हल्दी का बीज वितरित किया गया। उन्नाव जनपद में आम बागवानो को अतिरिक्त आय सृजन हेतु बागों में हल्दी की खेती को कृषकों के बीच प्रचारित प्रसारित प्रेरित कर रहा है। बागों में हल्दी की खेती बहुत फायदेमंद एवं उपयोगी हैं, इससे अतिरिक्त आय की प्राप्ति होने के साथ साथ, आम के बागों में कीड़े एवं बीमारियों का प्रकोप भी कम होता है, साथ ही शुद्ध हल्दी में उपलब्ध करक्यूमिन तत्व शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी काफी सहायक होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व संयुक्त निदेशक कृषि डॉ0 डी पी सिंह द्वारा कृषकों से हल्दी की खेती कैसे की जाए तथा इससे होने वाले लाभों पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष मोहित सिंह द्वारा केंद्र के वैज्ञानिकों को सुझाव दिया गया कि कृषको को उन्नत उत्पादन हेतु हर स्तर पर तकनीकी ज्ञान व सुझाव दिए जाए। जिला उद्यान अधिकारी उन्नाव ने किसानों को बागवानी से जुड़े सह फसली के बारे में बताया कि किसानों के लिए वरदान साबित होगा और उन्होंने बताया कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ऐसी पहल की गई जिससे किसानों की आमदनी जरूर बढ़ेगी। वरिष्ट वैज्ञानिक डॉ0 ए के सिंह ने हल्दी को सही प्रकार से लगाने हेतु बेड तकनीकी पर जोर दिया। वैज्ञानिक गृह विज्ञान डॉ अर्चना सिंह द्वारा हल्दी की आहार में महत्ता पर चर्चा की। मृदा वैज्ञानिक रत्ना सहाय द्वारा हल्दी लगाने से पहले मृदा जांच के अनुसार उर्वरक के उपयोग एवं एक्जोटोबेक्टर व पी0एस0बी0 कल्चर से उपचारित करने की फायदे एवं तरीके को विस्तार से बताया, सस्य वैज्ञानिक डॉ0 धीरज कुमार तिवारी द्वारा अधिक उत्पादन हेतु जरूरी सावधानियों, वैज्ञानिक कृषि अभियांत्रिकी इंजी रमेश चंद्र मौर्य के द्वारा बेड निर्माण, वैज्ञानिक पशु पालन सुनील सिंह द्वारा गोबर खाद के उपयोग व वैज्ञानिक पौध संरक्षण डा जय कुमार यादव ने आम बागवानों किसानों द्वारा कीट एवं बीमारियों से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। और किसानों को बागवानी के साथ कैसे हल्दी की सहफसली तकनीकियों का इस्तेमाल करके करना है विस्तार से जानकारी दी। राजीव कुमार त्रिपाठी ने प्रबंधक अमूल ने हल्दी से तैयार होने वाले विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के बारे में चर्चा की और अमूल द्वारा विक्रय की जा रही हल्दी की पैकेजिंग एवं मार्केटिंग के बारे में जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम में 40 किसानों/कृषक महिलाओं को हल्दी की मेघा- 1एवं केसरी प्रजाति का बीज वितरित किया गया जिसमें हसनगंज, औरास मियागंज, बीघापुर , सफीपुर, असोहा एवं पुरवा विकासखण्ड के किसान शामिल थे। कार्यक्रम में शान्तनु सिंह, अनुभव सिंह आदि उपस्थित रहे।

बाइक कार की आमने सामने भिड़ंत, बाइक सवार युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। लालगंज नेशनल हाईवे पर बाइक व चार पहिया वाहन की आमने-सामने टक्कर होने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई वही माता-पिता का इकलौता पुत्र होने से घर का चिराग बुझ गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया

बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम केदार खेड़ा निवासी पिंटू 27 वर्ष पुत्र हरी शंकर उन्नाव से अपने घर मोटरसाइकिल से आ रहा था की थाना अचलगंज क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर उन्नाव की तरफ जा रही अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे राहगीरों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अचलगंज ले गए जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई मृतक पिंटू अपने माता पिता का इकलौता पुत्र है व तीन बहने हैं पिंटू का विवाह 4 वर्ष पूर्व हुआ था है जिसके एक पुत्री भी है मौत की खबर सुनते ही परिजनो में चीख पुकार मच गई पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध अगर विस्तार लेता है तो यह जहां वैश्विक जंग की शक्ल ले सकता है, वहीं वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और खाद्यान्न आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है। इजरायल और ईरान के बीच ताजा अदावत बढ़ने की वजह आतंकी गुट हमास का पिकनिक मना रहे इजरायलियों पर वहशियाना हमला है। इजरायल ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत हमास के खिलाफ सैन्य संघर्ष शुरू किया। इजरायल के खिलाफ हमास को खड़ा करने में ईरान का हाथ माना जाता है। यह भी कहा जाता है कि हिजबुल्लाह व हूती के पीछे भी ईरान है। ईरान ने इजरायल को परेशान करने के लिए उसकी जमीनी सीमाओं से लगे देशों में हमास, हिजबुल्लाह व हूती जैसे सशस्त्र आतंकी गुट खड़े किए। इजरायल इन तीनों आतंकी गुटों के खिलाफ निर्णायक सैन्य संघर्ष कर रहा है और इस दौरान तीनों की कमर तोड़ दी है। शिकस्त होते देख ईरान ने सीधे तौर पर इजरायल को निशाना बनाया था। उसके बाद इजरायल ने भी ईरान को करारी चोट पहुंचाई। अब इजरायल ने फिर से ईरान के अंदर घुसकर अब तक का सबसे करारा प्रहार किया है। अमेरिका खुले तौर पर इजरायल के साथ है व ये दोनों मुल्क नहीं चाहते कि ईरान परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल करने की स्थिति में आए। ईरान का बदला क्या रुख लेगा, आजकल के इस अंक में पेश है विश्लेषण...

मध्य पूर्व में विनाशकारी युद्ध की दस्तक

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

इजरायल और ईरान के मध्य उत्पन्न हुए आक्रमणकारी सैन्य तनाव के कारण क्या मध्य पूर्व में बड़े पैमाने पर एक विनाशकारी युद्ध प्रारंभ होने का खतरा उत्पन्न हो गया है? प्रश्न है कि आखिरकार यही वक्त इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के लिए क्यों चुना गया? विकट प्रश्न उठता है कि इजरायल और ईरान में यदि एक बड़ा युद्ध छिड़ जाता है तो भारत पर इसका क्या प्रभाव स्थापित होगा?

उल्लेखनीय है कि रविवार 16 जून को ईरान और अमेरिका के मध्य परमाणु समझौते को लेकर समझौता वार्ता छठे दौर में पहुंच जाएगी। नेतन्याहू के लिए यह सटीक मौका था कि ईरान पर सैन्य आक्रमण अंजाम देकर इस वार्ता को विफल कर सकते हैं। यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की राष्ट्रपति ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर बड़ा राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। वे यह भी कहते हैं कि बेंजामिन नेतन्याहू जब भी स्वयं को राजनीतिक तौर पर अपने देश में कमजोर पाते हैं, वह तुरंत ही ईरानी कार्ड का इस्तेमाल शुरू कर देते हैं। रणनीति के कुछ विशेषज्ञों का विचार है कि युद्ध हमेशा के लिए टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।

यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। युद्ध हमेशा के टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।

परदे के पीछे अमेरिका भी शामिल

संभव है कि ईरान तत्काल इजरायल पर हमला न बोले, लेकिन ईरान सैन्य प्रतिशोध अवश्य ही लेगा। सैन्य संघर्ष का सिलसिला अब बिल्कुल रुकने वाला नहीं है। अमेरिकन सरकार भले ही दावा पेश कर रही है कि वह इस युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन इजरायली बॉम्बर फाइटर जेट्स द्वारा कतर में स्थित अमेरिकन एयर फोर्स बेस से बाकायदा ईंधन लिया गया है। ईरान द्वारा जो ड्रोन इजराइल पर आक्रमण करने के लिए रवाना किए थे, उनको भी अमेरिका द्वारा मार गिराया गया। अमेरिका ने ईरानी ड्रोन विमानों को इजरायल तक पहुंचने ही नहीं दिया। इसके अतिरिक्त सऊदी अरब ने अमेरिका के दबाव में इजराइल को अपना एयरस्पेस बाकायदा इस्तेमाल करने दिया। निश्चित तौर पर यह जंग ईरान और इजरायल के मध्य सीमित नहीं रह गई है। इजरायल की हिब्रू यूनिवर्सिटी की तरफ से आयोजित एक सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि तकरीबन 75 फीसदी इजरायली ईरान पर सैन्य कार्यवाही करने के एकदम विरुद्ध हो गए हैं। इजरायली जनमानस यकीनन निरंतर युद्ध से अब बेहद तंग आ चुके हैं। ईरान के साथ यदि इजरायल का एक बड़े पैमाने पर युद्ध प्रारम्भ हो जाता है तो इजरायल को फिर युद्ध में चौतरफा आक्रमणों का मुकाबला करना पड़ सकता है। लेबनान में ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए सक्रिय हिजबुल्ला तंजीम के गोरिल्ला लड़ाके, ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए दक्षिण यमन के हूती विद्रोही, ईरान की सैन्य मदद के बलबूते पर इजराइल के अंदर युद्धरत हमास तंजीम के छापामार लड़ाके हमले करेंगे।

जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध

सर्वविदित है कि ईरान के शिया समर्थकों की इराक और सीरिया में एक लंबी जंगजू फौज मौजूद है। ये सभी जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध ईरान के पक्ष में युद्ध में अवश्य ही उतरेंगी। इजरायल की नेतन्याहू हुकूमत ने दावा पेश किया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम का खात्मा करने के लिए इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान पर धावा बोलकर उसके कुछ सीनियर फौजी कमांडरों को हलाक कर दिया गया। इन हलाक होने वालों में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के कमांडर इन चीफ हुसैन सलामी भी शामिल हैं। हुसैन सलामी 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के संरक्षक रहे और शाह के शासन का खात्मा करने में उनका प्रमुख किरदार रहा था। ईरान के कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिकों को मौत के घाट उतार दिया गया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार अली शामख़ानी भी इजरायली आक्रमण में गंभीर रूप से जख्मी हो गए। ईरान की हुकूमत के मुताबिक इजरायल ने तेहरान और दूसरे अन्य नगरों के रिहायशी इलाकों को अपना फौजी निशाना बनाया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने ऐलान किया कि इजरायल की जियोनिस्ट हुकूमत को अब ईरान से अत्यंत सख्त सजा की उम्मीद रखनी चाहिए।

विराट है ईरान की मिसाइल परियोजना

ईरान की फौज इजरायल को सख्त से सख्त सजा दिए बिना कदापि नहीं छोड़ेगी। दूसरी तरफ इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने दावा पेश किया कि ईरान द्वारा इजरायल पर 100 से अधिक ड्रोन दागे गए। विगत वर्ष 2024 के अप्रैल महीने में भी इजरायल और ईरान के मध्य एक अल्पकालिक जंग लड़ी गई थी। इजरायल का ऑपरेशन राइजिंग लायन ईरान पर किया गया एक जबरदस्त आक्रमण है। यह हमला विगत वर्ष ईरान के अंजाम दिए गए मिसाइल और ड्रोन संघर्ष से कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी है। इजरायल और ईरान के मध्य तकरीबन 2100 किलोमीटर की दूरी मौजूद है। अगर ईरान को इजरायल पर आक्रमण करना होगा तो उसे ड्रोन और मिसाइलों द्वारा धावा बोलना होगा। उल्लेखनीय है कि ईरान की फौज के पास फिलहाल तकरीबन 3000 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल विद्यमान हैं। ईरान की मिसाइल परियोजना मध्य पूर्व के देशों में सबसे विराट और सबसे अधिक विविधतापूर्ण मिसाइल परियोजना है। ईरान द्वारा अपने मिसाइल सिस्टम और ड्रोन सिस्टम पर काफी महत्वपूर्ण काम किया गया है। विशेष कर 1980 से 1988 के मध्य पड़ोसी देश इराक के विरुद्ध दीर्घकालीन युद्ध के दौरान ईरान ने इनका अत्यंत संजीदगी और विविधता के साथ निर्माण शुरू किया। ईरान द्वारा छोटी रेंज की मिसाइलों और ड्रोन का निर्माण बड़े पैमाने पर किया गया। सऊदी अरब और इजरायल पर दक्षिण यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागी सभी मिसाइलें ईरान द्वारा प्रदान की जाती रही। इजरायल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमण में परमाणु संस्थानों के साथ-साथ मिसाइल और एयर डिफेंस के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। क्षेत्रफल के मुताबिक ईरान वस्तुत इजरायल से कहीं बड़े क्षेत्रफल वाला मुल्क है। ईरान की आबादी तकरीबन 9 करोड़ है और इजरायल की आबादी लगभग एक करोड़ है। इजरायल के सैनिकों की तुलना भी ईरानी सैनिकों की संख्या में तकरीबन तीन गुनी है। ईरान की सैन्य सेवा में 6 लाख सक्रिय सैनिक विद्यमान हैं और इजरायल के पास आधिकारिक तौर पर तकरीबन 1,70000 सैनिक विद्यमान हैं।

इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश

सर्वविदित है इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश है, हालांकि इस विषय में कोई स्पष्ट जानकारी प्रदान करने से इजरायल सदैव बचता रहा है। ईरान के पास परमाणु हथियार विद्यमान होने की संभावनाएं बहुत कम प्रतीत होती है। ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने की कोशिश करने का इल्जाम निरंतर आयद रहा है। लेकिन ईरान इस संगीन इल्जाम से सदैव इनकार करता रहा है। आज के दौर में दुनिया दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों में विभाजित होती प्रतीत हो रही है। एक तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में अमेरिका और नाटो देश हैं, तो दूसरी तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में चीन, रूस, ईरान, उत्तरी कोरिया आदि अनेक देश हैं। ऐसी स्थिति में विकट प्रश्न यह उठता है कि इजरायल और ईरान यदि पूरी तरह युद्ध में संलग्न हो जाते हैं तो भारत पर इसका क्या प्रभाव होगा? निश्चित तौर पर इजरायल और ईरान के मध्य सैन्य टकराव की विकट स्थिति में भारत का रुख अत्यंत संतुलनवादी रहेगा। भारत भी परमाणु शक्ति संपन्न ईरान के पक्ष में कदाचित नहीं है। यकीनन भारत भी इजरायल द्वारा ईरान पर हमले का समर्थन कदापि नहीं करेगा। विगत माह मई में जब भारत ने पाकिस्तान के बहुत अंदर घुसकर सैन्य ठिकानों पर आक्रमणकारी धावा बोला था तो उस वक्त इजरायल ने भारत का एकदम खुलकर समर्थन किया था। इजरायल की हुकूमत ने बयान दिया था कि भारत के पास आत्मरक्षा का अधिकार है। वहीं ईरान ने भी पाकिस्तान का समर्थन तो नहीं किया और दोनों देशों के मध्य सैन्य तनाव समाप्त कराने के लिए मध्यस्थता करने की भी कोशिश की। ऑपरेशन सिंदूर के समय ईरान द्वारा भारत व पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौरान स्वयं को तटस्थ बनाए रखने की रणनीति अख्तियार की गई थी। इजरायल और ईरान के मध्य आक्रमणकारी सैन्य संघर्ष में भारत ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि इजरायल और ईरान को कूटनीतिक बातचीत के माध्यम से परस्पर विवाद को सुलझाना चाहिए और सैन्य टकराव से पूरी तरह बचना चाहिए। ईरान और इजरायल दोनों देशों के साथ भारत के अत्यंत निकट मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं। भारत हर तरह से दोनों देशों की कूटनीतिक मदद करने के लिए तैयार है। भारतीय विदेश नीति के कुछ विशिष्ट जानकारों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बाद भारत वस्तुतः सबसे बड़ा ऊर्जा का उपभोक्ता देश है। मध्य पूर्व के इलाके में यदि युद्ध का दायरा बढ़ेगा, जिसकी भागीदारी वैश्विक तेल उत्पादन में तकरीबन एक तिहाई है।

इजरायल व ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध

निश्चित तौर पर तेल और गैस की कीमतों में बड़े पैमाने पर इजाफा होगा तो फिर भारत की ऊर्जा सुरक्षा सीधे तौर पर मुत्तासिर हो जाएगी। ऐतिहासिक रूप से गल्फ ऑपरेशन काउंसिल के छह मुल्क बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, और यूएई के साथ ही इराक भारत के लिए तेल और गैस की आपूर्ति करने वाले मुल्क हैं। रूस से तेल और गैस का तकरीबन 40 फीसदी खरीदारी करने से भारत की निर्भरता गल्फ मुल्कों पर कुछ हद तक कम हो गई है। फिर भी भारत के तेल और गैस आपूर्ति में गल्फ मुल्कों का योगदान तकरीबन 50 फीसदी से अधिक रहा है। भारत का विदेशी व्यापार गल्फ और पश्चिम एशिया के साथ तकरीबन 209 अरब डॉलर का है अर्थात भारत के कुल विदेशी व्यापार का तकरीबन 19 प्रतिशत रहा है। इससे प्रतीत होता है कि भारत के लिए पश्चिम एशिया और गल्फ कंट्री कितनी महत्वपूर्ण है। भारत कदापि नहीं चाहता है कि यह युद्ध का दायरा विस्तारित हो जाए। इजरायल और ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध रहे हैं और भारत द्वारा फिलिस्तीन के विवाद को सुलझाने में एक बड़ी जबरदस्त भूमिका निभाई जा सकती है।

परमाणु हथियार पर नियंत्रण के लिए हमले

ईरान-इजरायल

प्रमोद भार्गव

साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध आरंभ हो गया है। इजरायल ने ईरान के विरुद्ध बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। इसे 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' नाम दिया गया है। यानी इजरायल एक ऐसा युद्ध करता हुआ देश है, जो ईरान की ओर शेर की मस्तानी चाल से बढ़ रहा है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने जब आजाद हिंद फौज की कमान संभाली थी, तब उन्होंने अपने झंडे पर छलांग लगाते शेर को प्रतीक बनाया था। बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इस आक्रमण की पुष्टि करते हुए कहा है, 'जब तक इजरायल के अस्तित्व पर खतरे बने रहेंगे, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। साथ ही यह कोई सीमित कार्यवाही नहीं है, बल्कि एक व्यापक और लंबा चलने वाला रणनीतिक अभियान है।' इजरायल ने 13 जून को 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले 20 प्रमुख सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के घरों पर भी किए गए। ईरान की राजधानी तेहरान में 78 लोग मारे गए। इजरायल की सतर्कता यह रही कि उसने अपने खुफिया संगठन 'मोसाद' के जरिये ईरान के गुप्त ठिकानों पर पहुंचकर कम ऊंचाई वाले ड्रोन छोड़े और ईरान की सुरक्षा प्रणाली एवं मिसाइल प्रक्षेपण प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद इजरायली विमानों को ईरान का खुला आसमान मिल गया। ईरान ने 100 ड्रोन से जवाबी हमला किया भी लेकिन ये सभी ड्रोन इजरायली डिफेंस सिस्टम ने इजरायल की सीमा लांघने से पहले ही नेस्तनाबूद कर दिए।

डोनाल्ड ट्रंप की दोहरी नीति

इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जो कूटनीतिक प्रतिक्रिया आई है, उससे साफ है कि वे दोहरी नीति अपना रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए 60 दिन का समय दिया था, आज 61वां दिन था। फलतः इजरायल ने ईरान पर हमला बोल दिया। अब ईरान को समझौता करने के लिए दूसरा मौका दे रहा हूं, वह इस अवसर का लाभ उठाए, क्योंकि इजरायल का दूसरा हमला कहीं ज्यादा आक्रामक और भयावह होगा। साफ है, ट्रंप की सहमति के बाद ही इजरायल ने यह हमला किया है। दरअसल ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये हमला किया गया। इसीलिए इस हमले को नेतन्याहू ने न्यायसंगत ठहराते हुए कहा है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए संकट बन रहा है। क्योंकि यह एक हकीकत है कि ईरान ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह ऐसी प्रक्रिया है, जो परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। इसके अंतर्गत यूरेनियम-235 के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। अतएव इजरायल के लिए ईरान का परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाना चिंता की स्थिति उत्पन्न करने वाली बात है।

परमाणु हथियार संपन्न देश

दरअसल, परमाणु हथियार संपन्न देश होना एक ऐसी सैन्य रणनीति है, जिसके चलते दूसरे देश परमाणु संपन्न देश पर हमला करने से बचते हैं। इसका बुनियादी कारण है कि यदि कोई देश शत्रु देश पर परमाणु हमला करता है तो जवाबी

कार्यवाही में उसे भी परमाणु हमले का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा होता है तो दोनों देशों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रूस ने यूक्रेन पर आसानी से इसलिए हमला बोल दिया था, क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार नहीं है। रूस और अमेरिका के बहकावे में आकर उसने अपने परमाणु हथियार, परमाणु निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद समुद्र में नष्ट कर दिए थे। इसका खामियाजा उसे आज उठाना पड़ रहा है। ईरान परमाणु संपन्न देश न बन जाए, इसलिए उस पर अमेरिका ने लंबे समय से परमाणु संबंधी प्रतिबंध लगाए हुए थे। परंतु बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच एक परमाणु समझौता हुआ और ईरान से परमाणु प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए थे। तब भी इजरायल ने इस समझौते का खुला विरोध किया था। नेतन्याहू ने यहां तक कहा था कि यह संधि एक ऐतिहासिक भूल है। किंतु उस समय इस संधि को ओबामा की बड़ी उपलब्धि बताया गया था। ईरान और इजरायल के बीच तनाव लंबे समय से चला आ रहा है, लेकिन इन देशों ने लंबे समय तक छदम् युद्ध लड़ा है। जब एक अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था तब ईरान ने इजरायल पर सीधा हमला बोला था। क्योंकि इस लड़ाई में ईरान समर्थित इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के ब्रिगेडियर जर्नल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। इजराइल से करीब 1800 किमी की दूरी पर स्थित होने के बावजूद ईरान हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला किया था। इस लड़ाई में इजरायल को अमेरिका ने खुली सामरिक मदद की थी। उस संदर्भ में ईरान ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा था कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया था, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा को स्वीकार लिया जाए। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमेरिका के खिलाफ उसकी जो धारणा है, वह ध्वस्त हो जाएगी। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को ही स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि इजरायल ने मुस्लिमों की जमीन पर कब्जा कर रखा है। हालांकि हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखकर मामले को यहीं समाप्त करने की गुहार भी लगाई थी। बावजूद ईरान ने चेतावनी दी थी कि यदि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। यह विरोधाभास भी देखने में आया कि ईरान ने अमेरिका को इजरायल पर सीमित और नियंत्रित हमला करने की जानकारी पहले ही दे दी थी। ईरान के विदेश मंत्री ने ही इस आशय का बयान दिया था। वाकई यह बयान सच था तो यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि अमेरिका दोतरफा कुटिल चालें हमेशा ही चलता रहा है। रूस का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते के लिए जो वार्ता चल रही है, वह उसमें सहयोग करेगा।

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका

इस युद्ध को लेकर भारत दुविधा में है, क्योंकि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत ने जब ऑपरेशन सिंदूर चलाया था तब इजरायल उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा था। इजरायल भारत का रक्षा साझेदार भी है। दूसरी तरफ ईरान से भारत के ऐतिहासिक संबंध हैं। ईरान ने कई अवसरों पर इस्लामिक देशों के संगठन के मंच पर भारत की मदद की है। इसलिए भारत किसी को भी छोड़ना नहीं चाहता। अतः भारत ने दोनों देशों के बीच कूटनीति व शांति बरतने की अपील की है। बहरहाल, इस युद्ध के साथ बड़ी आशंका यह जुड़ गई है कि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध की ओर न बढ़ जाए।

बढ़ सकती हैं भारत की कूटनीतिक मुश्किलें

दो टूक

डॉ. एन. के. सोमानी

वरिष्ठ पत्रकार

ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के लिए ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच इसी रविवार को ओमान में वार्ता होनी थी। वार्ता शुरू होती, इससे पहले ही इजरायल ने ईरान पर हमला करके न केवल क्षेत्र में जंग के हालात उत्पन्न कर दिए हैं, बल्कि वार्ता में बड़ा गतिरोध भी पैदा कर दिया है।

समझौता वार्ता से हटा ईरान

इजरायल की आक्रामक कार्रवाई के बाद ईरान ने आधिकारिक तौर पर वार्ता से हटने का ऐलान कर दिया है। एक टीवी इंटरव्यू में जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्षेत्र का राजनीतिक और सैन्य तापमान कम करने के लिए क्या किया जा सकता है? जवाब में ट्रंप ने तल्ख लहजे में कहा कि ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता है। ईरान ने भी ट्रंप को कड़े शब्दों में जवाब दिया। रक्षामंत्री अजीज नसीर जादेह ने अमेरिका को स्पष्ट शब्दों में चेता दिया कि यदि हम पर युद्ध थोपा गया तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। इस तरह की तल्ख टिप्पणियों से क्षेत्र में तनाव उत्पन्न होना ही था। अमेरिका ने खतरे को भांपकर अपने नागरिकों को मिडिल ईस्ट छोड़ने को कह दिया। इराक स्थित दूतावास से भी अपने कर्मचारियों को हटाना शुरू कर दिया था। तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने लगी। हालात बता रहे थे कि अगर ईरान वार्ता के लिए राजी नहीं होता है, तो मध्यपूर्व जंग की चपेट में आ सकता है। ऐसा ही हुआ। इजरायल भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध कर रहा है। उसका मानना है कि अगर ईरान परमाणु ताकत हासिल कर लेता है तो उसके अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो जाएगा। ईरान ने राष्ट्र के रूप में इजरायल के अस्तित्व को कभी स्वीकार नहीं किया है।

इजरायल का यह भी कहना है कि ईरान के परमाणु संपन्न होने से वह पूरे मिडिल ईस्ट को नियंत्रित करने की स्थिति में आ जाएगा। इसलिए ईरान को परमाणु कार्यक्रम की दिशा में आगे बढ़ने से रोकने के लिए यह हमला जरूरी था। दूसरी ओर, ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जूड़े अधिकारियों का दावा है कि ईरान अपने यूरेनियम भंडार को हथियार निर्माण के स्तर तक परिष्कृत करके परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इससे पहले ट्रंप भी ईरान को कई बार धमका चुके हैं कि यदि वह समझौते के लिए राजी नहीं होता है तो अमेरिका उसके परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे नष्ट कर देगा। इस बार ईरान ने जिस तरह से अमेरिकी धमकी पर तल्ख प्रतिक्रिया दी, उसके बाद इजरायल ने ईरान पर धावा बोल दिया। सवाल यह है कि इजरायल-ईरान का यह तनाव कहां तक जाएगा। कहीं ऐसा तो नहीं कि यूरेशिया (रूस-यूक्रेन युद्ध) के बाद मिडिल ईस्ट भी लम्बी लड़ाई में उलझ जाए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इरादों से तो यही लग रहा है।

नेतन्याहू ने हमले को जायज ठहराते हुए कहा कि हमला इजरायल के अस्तित्व के लिए ईरान के संभावित खतरे को कम करने का एक सैन्य अभियान था। अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता है। साफ है कि हमले आगे भी जारी रह सकते हैं।

दूसरी ओर, यदि ईरान लेबनान, सीरिया, इराक या यमन में अपने सहयोगी समूहों के माध्यम से जवाबी कार्रवाई करता है तो निसंदेह मिडिल ईस्ट लंबे समय तक हिंसा की आग में धधकता रहेगा। एक प्रश्न ओर भी है जो दुनिया को डरा रहा है। ईरान और इजरायल के बीच सीधी जंग शुरू होती है तो दुनिया की सप्लाई चैन का क्या होगा।

वैश्विक व्यापार होगा प्रभावित

ईरान-इजरायल संघर्ष से क्या वैश्विक व्यापार अछूता रहेगा। हमले की स्थिति में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है। यह दुनिया का एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग है। यहां से लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन होता है। यदि ईरान शिपिंग लेन या ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई करता है तो तेल की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हो सकती है। दरअसल, जुलाई 2015 में ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित यूएनएससी के पांचों स्थायी सदस्य (फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, रूस और चीन) और जर्मनी जिन्हें सामूहिक रूप से पी-5 प्लस वन के रूप में जाना जाता है, के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ। राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में हुए इस समझौते को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त व्यापक कार्ययोजना समझौता (जेसीपीओए) के नाम से जाना जाता है। समझौते के अनुसार ईरान ने अरबों डॉलर के प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

समझौते का समर्थन करने वाले राष्ट्रों का मानना था कि यह ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर नियंत्रण में मदद करेगा और क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों (इजरायल और सउदी अरब) के बीच संघर्ष की संभावनाओं का कम करेगा। शुरू में ऐसा होता हुआ दिखा भी।

यूरेनियम के संवर्धन का अवसर

ईरान की यूरेनियम संवर्धन क्षमताओं में कमी आई और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षणों के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ी। साल 2018 में ट्रंप ने एक तरफा तौर पर समझौते से बाहर निकलने का ऐलान कर दिया। इसके बाद ईरान को यूरेनियम के संवर्धन का अवसर मिल गया और जेसीपीओए में तय सीमा को पार कर लिया। यूएन निरीक्षकों ने 2023 में रिपोर्ट दी थी कि ईरान ने यूरेनियम की मात्रा को लगभग हथियार ग्रेड स्तर तक समृद्ध कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय चिंताए बढ़ गईं। ईरान फिलहाल 60 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धित कर रहा है जो परमाणु हथियार बनाने की हद के बेहद करीब है। भारत के ईरान और इजरायल दोनों के साथ अच्छे संबंध है। भारत ईरान से जो तेल खरीदता है उसका भुगतान वह भारतीय मुद्रा अर्थात रुपये में करता है।

इससे भारत को विदेशी मुद्रा भंडार बचाने और रुपये को मजबूत करने में मदद मिली है। इसके अलावा, भारत ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार पोर्ट को विकसित कर रहा है। कूटनीतिक दृष्टि से यह पोर्ट भारत के लिए काफी अहम है। इस पोर्ट के विकसित होने के बाद भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया के देशों से व्यापार के लिए नया मार्ग मिल जाएगा। इससे पहले भारत को मध्य एशियाई देशों तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान के रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता था। दूसरी ओर इजरायल के साथ भी भारत के अच्छे संबंध हैं। पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इजरायल ने भारत के रुख का खुलकर समर्थन किया था। ऐसे में अगर दोनों के बीच का तनाव किसी बड़े संघर्ष में बदलता है तो भारत के सामने एक बड़ी चुनौती यह होगी कि वह पश्चिम एशिया में किसके साथ खड़ा हो। कोई भी निर्णय भारत के लिए आसान नहीं रहने वाला है। ऐसे में कोई संदेह नहीं कि आने वाले समय में भारत की कूटनीतिक मुश्किलें बढ़ेंगी ही।

संक्षेप

बिजली कटौती से परेशान लोग

शिकायत लेकर विधायक से मिले, जवाब मिला- गर्मी में रहने की आदत डालो, भाषण बाजी मत करो

सुलतानपुर, बिजली कटौती की समस्या से आम जनता परेशान है। निराला नगर, विवेक नगर, आदर्श नगर, करौंदिया और खैराबाद समेत शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित है। गर्मी के मौसम में यह समस्या लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। समस्या का मुख्य कारण घटिया क्वालिटी की केबल है। जिसमें सैकड़ों जगहों पर जोड़ लगे हुए हैं। इसके अलावा ट्रांसफॉर्मर की कमी भी एक बड़ी समस्या है। पुलिस लाइन के पास बन रहा पावर हाउस अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। घर सुल्तानपुर फाउंडेशन के सदस्यों ने इस समस्या को लेकर सदर विधायक विनोद सिंह से मुलाकात की। आरोप है कि विधायक ने लोगों की समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने लोगों से गर्मी की आदत डालने की बात कही और भाषणबाजी न करने की हिदायत दी। प्रतिनिधिमंडल में प्रियंक श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, शिव तिवारी, धनंजय सिंह, नितिन मिश्रा, वरुण मिश्रा, हेमंत मिश्रा, राहुल मिश्र, अखिलेश तिवारी, अभिनव सिंह, गुड्डू तिवारी, शरद त्रिपाठी, अविरल मिश्र, उमाकांत अग्रहरि, प्रमोद जायसवाल, नफीस अहमद, कृष्ण यादव, अंकुर द्विवेदी और रोहित सिंह रघुवंशी सहित कई लोग शामिल थे।

घरेलू विवाद में मारपीट

विकलांग मां को घर में घुसने से बेटे ने किया मना, विरोध पर भाई ने भाई को पीटा

सुलतानपुर, शहर के चौक गल्ला मंडी में एक परिवारिक विवाद सामने आया है। आनंद कुमार ने अपने भाई पर घर पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। वह अपनी विकलांग मां को घर ले जाने गया था। भाई ने मां-बेटे को घर में प्रवेश करने से मना कर दिया। विरोध करने पर शनिवार रात शीतला प्रसाद, पप्पू, राहुल, शुभम, आदित्य और रितेश ने लोहे की रॉड से आनंद कुमार पर हमला कर दिया। हमले में वह बेहोश हो गया। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि पुलिस ने 3 घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं की। जिलाधिकारी के आवास पर जाने पर भी उनकी सुनवाई नहीं हुई। आनंद कुमार छह भाइयों में से एक हैं। एक भाई की मृत्यु हो चुकी है। परिवार में तीन बहनें भी हैं। उनकी मां विकलांग हैं और चल-फिर नहीं सकतीं। आनंद अपनी मां की देखभाल करते हैं।

डॉक्टर की लापरवाही से महिला की मौत

पेट दर्द की मरीज को वार्ड में किया शिफ्ट, सुबह इंजेक्शन लगाने के बाद हुई मौत

सुलतानपुर, जिला चिकित्सालय में चिकित्सकीय लापरवाही का एक मामला सामने आया है। तमेहड़ी निवासी आशा देवी को 14 जून को दोपहर एक बजे पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल लाया गया था। इमरजेंसी वार्ड में प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने मरीज की स्थिति सामान्य बताते हुए उन्हें वार्ड में शिफ्ट कर दिया। रात को मरीज की हालत स्थिर रही। हालांकि, आज सुबह लगभग 8 बजे उन्हें फिर से तेज दर्द शुरू हुआ।

नेपालगंज में डिजिटल नवप्रवर्तन रूपान्तरण 2025 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार/मो. कौशर

रुपईडीहा, बहराइच। पडोसी मित्र राष्ट्र उप महानगर पालिका नेपालगन्ज शहर में लुम्बिनी प्राविधिक विश्वविद्यालय के आयोजन में डिजिटल नवप्रवर्तन रूपान्तरण 2025 विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ । सम्मेलन में नेपाल के विभिन्न विश्वविद्यालयों के उपकुलपति, डीन, प्राध्यापक, विषय विशेषज्ञ, प्रदेश योजना आयोग के उपाध्यक्ष, प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, विश्वविद्यालय सेवा आयोग के सदस्य तथा विभिन्न प्राविधिक विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।

सम्मेलन का उद्घाटन लुम्बिनी प्रदेश सरकार के सामाजिक विकास मंत्री जन्मजय तिमिल्सिना ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन डॉ. निरज केसी ने बताया कि लुम्बिनी प्राविधिक विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में नई संस्थान है, इसलिए विद्यार्थियों को डिजिटल नवप्रवर्तन रूपान्तरण के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से यह सम्मेलन आयोजित किया गया ।

डॉ. केसी ने कहा कि नेपाल के अन्य विश्वविद्यालयों, निजी प्रविधि उद्योगों तथा सरकारी निकायों में इस क्षेत्र में कैसे कार्य हो रहा है, उसे विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष रूप में समझाने और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी देने के लिए यह सम्मेलन महत्वपूर्ण रहा ।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों को भी ऑनलाइन माध्यम से जोड़ा गया, जिससे विद्यार्थियों को इस क्षेत्र के अवसर, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाओं को बेहतर रूप में समझने में मदद मिले। सम्मेलन में विषयगत उद्योगों से समझौता टडव कर विद्यार्थियों को तकनीकी सहायता, समस्या समाधान और नवीनतम प्रविधियों से जुड़ने के अवसर प्रदान करने की पहल की गई।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव रेगबहादुर भण्डारी ने बताया कि यह सम्मेलन विद्यार्थी, विद्वान, नवप्रवर्तनकर्ता, नीति निमार्ता और उद्योग प्रतिनिधियों को एक साझा मंच पर लाकर डिजिटल युग में समावेशी और नवीन भविष्य निर्माण के लिए सामूहिक संवाद का अवसर बना। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन को ज्ञान निर्माण और हस्तान्तरण के प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है। भण्डारी ने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय ने इससे पहले 2023 और 2024 में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ सफलतापूर्वक आयोजित की थीं । इस बार की विषयवस्तु डिजिटल नवप्रवर्तन रूपान्तरण अत्याधुनिक अनुसन्धान को आगे बढ़ाने और विश्वव्यापी सहकार्य को प्रोत्साहित करने की दिशा मेंऐतिहासिक कदम साबित होगी उन्होंने कहा- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लकचेन और डिजिटल इकोसिस्टम जैसी तेजी से विकसित हो रही प्रविधियों के साथ यह सम्मेलन विचार विमर्श, शोध साझेदारी और डिजिटल रूप से सशक्त समाज के निर्माण का महत्वपूर्ण मंच बनेगा

उद्घाटन सत्र के दौरान विश्वविद्यालय सेवा आयोग के सदस्य तथा नेपाल के ख्याती प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर डाक्टर कृष्ण प्रसाद घिमिरे ने विषयानुकूल कविता प्रस्तुत कर के सम्मलन में रौनक दी ।सम्मेलन में काठमाण्डौं विश्वविद्यालय, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, पोखरा विश्वविद्यालय, मध्यपश्चिम विश्वविद्यालय और सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालय के उच्च पदस्थ पदाधिकारी, डीन और प्राध्यापक सहित प्रदेश योजना आयोग और लोक सेवा आयोग के वरिष्ठ अधिकारी भी सहभागी रहे।

सम्मेलन की अध्यक्षता लुम्बिनी प्राविधिक विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रा.डा. विनोद प्रसाद ढकाल ने की । कार्यक्रम में विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों ने विभिन्न विषयों पर कार्यपत्र प्रस्तुत किए, जिन पर विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रत्यक्ष प्रश्नोत्तर किया। प्रोफेसर डाक्टर कृष्ण प्रसाद घिमिरे के अनुसार सम्मेलन में काठमाण्डौं विश्वविद्यालय के डीन प्रा.डा. मनीष पोखरेल, पोखरा विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रा.डा. बेदराज केसी, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के निर्देशक प्रा.डा. सुवर्ण शाक्य और डा. प्रकाशदत्त भट्ट, असिस्टेन्ट प्रोफेसर केशव पौडेल, काठमाण्डौं विश्वविद्यालय से प्रा.डा. सुदन झा, सिडनी विश्वविद्यालय अष्ट्रेलिया से डा. आभास जोशी, नेदरलैण्ड आईटीसी से अशोक दाहाल, रानका अध्यक्ष विकास गुरुङ, क्यान महासंघ के पूर्व उपाध्यक्ष सञ्जय थापा आदि ने प्रत्यक्ष या ऑनलाइन माध्यम से अपने कार्यपत्र प्रस्तुत किए। लुम्बिनी प्रदेश सरकार की गौरवपूर्ण योजना के अंतर्गत वर्तमान में यहविश्वविद्यालय बी.टेक. इन आईटी,कम्प्युटर साइंस एण्ड, एआई, आई,टीइन्जिनियरिङ तथा सिभिल इन्जिनियरिङ विषयों में चार कार्यक्रम चला रही है। इसी जुन महिने सें स्नातकोत्तर तह में एम.टेक. इन आईटी कार्यक्रम भी प्रारम्भ किया जाएगा। विश्वविद्यालय का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण, उपलब्धिमूलक, तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान कर समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण करना है। विश्वविद्यालय की भौतिक स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए प्रा.डा. घिमिरे ने बताया कि प्रारम्भिक चरण में करीब डेढ़ वर्ष तक विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन में ही पठन-पाठन कार्य चला रहा था। लेकिन गत पुस महीने से कृषि विकास बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, धम्बोझी, नेपालगञ्ज स्थित तीन भवनों को पाँच वर्ष के लिए भाडामा लेकर वहाँ से पढ़ाई और प्रशासनिक काम संचालन किया जा रहा है।

पुलिस कप्तान ने चलाई तबादला एक्सप्रेस

सात निरीक्षकों को मिली नवीन जिम्मेदारी

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बहराइच पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने सात निरीक्षकों के कार्य क्षेत्र में किया बड़ा बदलाव। नई तैनाती के तहत रूपईडीहा कोतवाली का प्रभार देख रहे ददन सिंह को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात की जिम्मेदारी दी गई है तो वहीं अभिनय कुमार सिंह को प्रभारी निरीक्षक थाना मटेरा, रमेश रावत को प्रभारी निरीक्षक थाना रूपईडीहा, हरीश सिंह को जन संपर्क अधिकारी का प्रभारी बनाया गया है। राज कुमार पाण्डेय थानाध्यक्ष थाना रामगांव, सूरज कुमार को थाना खैरीघाट का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक बहराइच राम नयन सिंह ने कहा है कि ऐसे तबादले जनहित और कानून व्यवस्था के मजबूती को ध्यान में रखते हुए समय समय पर ऐसे तबादले किये जाते है।

डा0 हैनीमेन चैरिटेबल ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष बने डॉक्टर चेतन आनंद

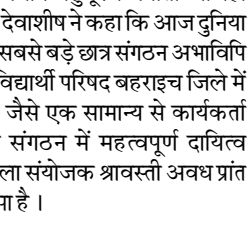

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। बहराइच जनपद के नगर पंचायत जरवल के निवासी डॉक्टर चेतन आनंद को डॉक्टर हैनीमैन चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन द्वारा जनपदीय शाखा बहराइच ट्रस्ट का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया? ट्रस्ट के चेयरमैन द्वारा डॉक्टर चेतन आनंद का होम्योपैथी के प्रचार प्रसार को देखते हुए उनको यह दायित्व दिया गया है। डॉक्टर चेतन आनंद होम्योपैथी से अच्छी रुचि रखते हैं और जीवाजी कॉलेज ग्वालियर से बी.एच.एम.एस. की उपाधि प्राप्त की है। उनके इस अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर डॉक्टर प्रमोद मौर्या, डॉक्टर सौरभ गुप्ता ने उन्हें बधाई दी और खुशी जताई कि होमियोपैथ का प्रचार प्रसार में बढ़ावा मिलेगा।

भारत-नेपाल सीमा पर 10 ग्राम स्मैक के साथ नेपाली तस्कर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 10 ग्राम स्मैक के साथ एक नेपाली तस्कर को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई एसएसबी की 59वीं वाहिनी के कमांडेंट कैलाश चंद रमोला के निर्देशन में की गई। सीमा चौकी बलाईगांव के प्रभारी सहायक कमांडेंट पलाश लूथरा एवं उनकी टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से भारत नेपाल सीमा के पास चेकिंग के दौरान नेपाल निवासी 28 वर्षीय सुभाष शाही को मादक पदार्थ के साथ पकड़ा गया है। वह भारत से नेपाल स्मैक की तस्करी का प्रयास कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है और जब्त सामग्री थाना मोतीपुर, जिला बहराइच को सुपुर्द कर दी गई है।सशस्त्र सीमा बल और स्थानीय पुलिस की यह संयुक्त कार्रवाई सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कड़ी सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों

की गंभीरता को दर्शाती है। एसएसबी 59वी वाहिनी कमांडेंट कैलाश चंद्र रमोला ने जनता से अपील करते हुए कहा है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल सुरक्षा एजेंसियों को दें, जिससे अपराधों पर नियंत्रण पा कर समाज को सुरक्षित बनाया जा सके।

जिला मुख्यालय से सम्बद्ध किये गये सीडीपीओ नवाबगंज

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा/मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा पोषण टैकर एप के माध्यम से फेस ऑथेंटिकेशन मॉड्यूल के कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान विकास खण्ड नवाबगंज की प्रगति असंतोषजनक पाये जाने पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बाल विकास परियोजना अधिकारी नवाबगंज सुशील कुमार को मुख्यालय से सम्बद्ध किये जाने का निर्देश दिया। जबकि नगर क्षेत्र की प्रगति अच्छी पाये जाने पर डीएम ने संतोष व्यक्त किया। डीएम ने समस्त मुख्य सेविकाओं को कड़े निर्देश दिये कि अपने सेक्टर के अन्तर्गत युद्धस्तर पर कार्य करते हुए शुक्रवार तक प्रगति में सुधार लाएं अन्यथा की स्थिति में विभागीय कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी। डीएम ने सीडीपीओ को निर्देश दिया कि विभागीय कर्मचारियों तथा पंचायत सहायकों से सहयोग प्राप्त कर लाभार्थियों को इस बात के लिए प्रेरित करें कि वे स्वेच्छा से फेस ऑथेंटिकेशन तथा ई.के.वाई.सी. कराने में सहयोग प्रदान करें ताकि उन्हें विभागीय सुविधाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे। उन्हें इस बात की भी जानकारी दी जाये कि ऐसा न करने पर पोषाहार रोक दिया जायेगा। उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा पोषण टैकर एप के माध्यम से फेस ऑथेंटिकेशन मॉड्यूल के कार्यान्वयन के संबंध मे निर्देश दिये गये है। जिसमें आंगनबाड़ी केन्द्रो पर आने वाले 6 माह से 3 वर्ष, 03 से 06 वर्ष आयु वर्ग के लाभार्थी गर्भवती एवं धात्री महिला व किशोरी बालिका की उपस्थिति एवं पोषाहार प्राप्त करने वाले लाभर्थियों की पोषण टैकर पर फीडिंग 01 जुलाई 2025 से अनिवार्य रूप से लागू हो जायेगी। लक्षित लाभार्थियों तक अनुपूरक पुष्टाहार की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यह भी निर्णय लिया गया है कि टीएचआर वितरण के लिए फेशियल रिकाग्निशन सिस्टम (एफआरएस) को 01 जुलाई 2025 से अनिवार्य कर दिया जायेगा। लाभार्थियों के पंजीकरण हेतु फेशियल रिकाग्निशन सिस्टम (एफआरएस) को 01 अगस्त 2025 से अनिवार्य कर दिया जायेगा। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राज कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी राज कपूर सहित सीडीपीओ, आंगनबाडी कार्यकत्री व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

एबीवीपी के विभाग संयोजक बने विराट व देवाशीष जिला संयोजक

अमन लेखनी समाचार

बहराइचः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अवध प्रान्त का चार दिवसीय अभ्यास वर्ग गोंडा के एससीपीएम पैरामेडिकल कॉलेज में सम्पन्न हुआ। समापन सत्र के दौरान नवीन दायित्व की घोषणा प्रान्त अध्यक्ष डॉ नीतू सिंह ने की। इस अभ्यास वर्ग में विभाग प्रमुख डॉ अंजनी शुक्ला व श्रावस्ती विभाग के मनीष शुक्ला (विराट) को विभाग संयोजक की जिम्मेदारी सोंपी गई।इस के साथ विभाग छात्रा प्रमुख खुशबू शर्मा और देवाशीष सिंह को जिला संयोजक, जिला सह संयोजक रणवीर गुप्ता को जिम्मेदारी मिलने के बाद अभाविपि बहराइच से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने खुशी व्यक्त किया। विभाग संगठन मंत्री पुनः अंकुल राठौर को बनाया गया। मनीष शुक्ला (विराट) ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जो सन 1948-49 से युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ साथ छात्रहितों को लेकर ज्ञान शील एकता के मूलमंत्र के साथ राष्ट्र के पुनर्निर्माण की ध्येय के यज्ञ को प्रज्ज्वलित किए है । विद्यार्थी परिषद जो एक कुम्भकार के भाँति एक सामान्य से विद्यार्थी (युवा) को मूल्यवान बहुमूल्य बनाता आ रहा है। देवाशीष ने कहा कि आज दुनिया के सबसे बड़े छात्र संगठन अभाविपि ने विद्यार्थी परिषद बहराइच जिले में मेरे जैसे एक सामान्य से कार्यकर्ता को संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व जिला संयोजक श्रावस्ती अवध प्रांत सौपा है ।

मिहीपुरवा में 15 कुंतल प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली बरामद

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली के व्यापार को रोकने एवं विभिन्न माध्यमों से मिल रही शिकायतों पर जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा प्राप्त निर्देश के क्रम में मत्स्य विभाग व पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। इसी क्रम में सहायक निदेशक मत्स्य बहराइच डा जितेंद्र कुमार शुक्ल के नेतृत्व में जलिम नागर पुल के पास सुबह 3 बजे चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस शक की बिना पर एक पिकप को रोक कर तलाशी ली गई। इस दौरान पिकप से 2 लाख कीमत की 15 कुंतल प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली बरामद हुई। पिकप चालक ने बताया कि वह उक्त मछली को उत्तराखंड से लाया है और नानपारा ले जा रहा है। इस पर पकड़ी गई प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली को गड्ढा खुदवाकर नामक डालकर बिनिस्टिकरण करा दिया गया, जिसकी फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि ग्रीन ट्रिब्यूनल और भारत सरकार ने वर्ष 2000 में विदेशी थाई मांगुर मछली को प्रतिबंधित कर दिया था। उन्होंने बताया कि इस मछली के खाने से कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग जैसी बीमारियां जनित होती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिबंधित मछली विक्रेताओं की सूचना यदि किसी को मिलती है तो वह विभाग को सूचित करे। उसका नाम गोपनीय रहेगा। इस कार्यवाही में कृष्ण कुमार सिंह उप निरीक्षक, राहुल गुप्ता उप निरीक्षक, सूरज सिंह, चद्रकांत एवं मत्स्य विभाग के कर्मी शामिल रहे।

प्राचीन बाबा बुढेश्वर नाथ महादेव मंदिर जाने वाला मार्ग जर्जर, श्रद्धालु परेशान

- जन आस्था का केन्द्र है बाबा बूढ़ेश्वर नाथ महादेव का मन्दिर
- लाखों कांवरिया एवं श्रद्धालु सावन मास में इसी सड़क मार्ग से है गुजरते

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। शिव भक्तों के आस्था का केंद्र जहां दूर दराज से श्रद्धालुओं का जत्था जलाभिषेक करने आता है, लेकिन सड़क मार्ग जर्जर होने से श्रद्धालुओं को कठिनाई का सामना करना पड़ता है जिससे श्रद्धालुओं में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और और जिम्मेदारो के प्रति आक्रोश पनप रहा है। तहसील मिहींपुरवा मोतीपुर के रामपुर धोबिया हार क्षेत्र में स्थित जन आस्था केन्द्र के रूप में विख्याति प्राचीन शिव मंदिर बाबा बूढ़ेश्वर नाथ धाम बुढ़वा बाबा मन्दिर में हर महीने शिव भक्तों का आना जाना लगा रहता है। तो वहीं सावन के महीने में लाखों की संख्या में शिव भक्त कांवरिया तथा श्रद्धालु बाबा को जल अर्पित करते हैं।आस्था का केंद्र कहे जाने वाले प्राचीन शिव मंदिर बुढ़वा बाबा जाने वाला मुख्य मार्ग से मंदिर तक जाने वाली दो किलोमीटर की सड़क पर सैकड़ों गड्ढे हो गए हैं। सड़क तालाब का आकार ले चुकी है, लेकिन कार्यदाई संस्था की नजर अभी तक इस सडक पर नहीं पड़ी है और जर्जर सड़क मार्ग से प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते जाते हैं। कई बार श्रद्धालु सड़क के गड्ढे में गिरकर चोटिल भी हो चुके। रामपुर धोबियाहार क्षेत्र में स्थित बाबा बूढ़ेश्वर नाथ धाम बुढ़वा बाबा मंदिर विकास से कोसों दूर है। यहां मुख्य मार्ग से मंदिर जाने वाली दो किलोमीटर सड़क जर्जर हालत में है और पूरी सडक गड्ढो में तब्दील हो चुकी है। अगले कुछ ही दिनों में सावन का महीना आने वाला है।सावन के महीने में बहराइच श्रावस्ती लखीमपुर सीतापुर पीलीभीत शाहजहांपुर गोंडा बाराबंकी आदि जिलों के साथ नेपाल से लाखों की संख्या में कांवरिया एवं श्रद्धालु पूरे महीने बुढ़वा बाबा में जलाभिषेक के लिए इसी जर्जर मार्ग से होकर आयेंगे। जिसपर उन्हें भारी दुश्वारियों का सामना करना पड़ेगा। बता दें कि सावन के महीने में प्राचीन बाबा बूढ़ेश्वर नाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालु कैलाशपुरी से जल भरकर लगभग अस्सी किलोमीटर पैदल चलकर जलाभिषेक कर जल अर्पित करते हैं। फलस्वरूप उन्हें मनचाहा फल भी प्राप्त होता है। प्रदेश में भले ही योगी आदित्यनाथ की सरकार हो जिससे अनेकों मठ मंदिरो के जीर्णोद्धार के साथ ही सुगम सड़क मार्ग बनाया गया लेकिन इस मंदिर के कायाकल्प के लिए अभी तक किसी जन प्रतिनिधि को नजरे इनायत नहीं हुई है। जिससे यहां दूर दूर से आने वाले श्रद्धालु क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि को कोस रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि चुनाव के समय यहां जनप्रतिनिधि आते हैं और आशीर्वाद लेकर चुनाव जीतकर चले जाते हैं, दोबारा यहां के विकास पर ध्यान नहीं देते हैं। बुढ़वा बाबा जाने वाले जर्जर सड़क मार्ग निर्माण के लिए यदि समय से प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो सावन में होने वाली कांवड़ यात्रा में लाखों श्रद्धालु गड्ढे वाली सड़क मार्ग से होकर गुजरने को मजबूर होंगे। क्षेत्रीय लोगों ने सड़क निर्माण के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराया है लेकिन निराशा हाथ लगी है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर स्कॉर्पियो की ट्रक से टक्कर

सुल्तानपुर में तीन की मौत, दो घायल; नींद आने से हुआ हादसा

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। किलोमीटर संख्या 131 के पास स्कॉर्पियो और ट्रक की जोरदार टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के वक्त स्कॉर्पियो गुड़गांव से बिहार के मुंगेर जा रही थी। गाड़ी में चालक सहित कुल पांच लोग सवार थे। हादसा उस समय हुआ जब चालक पिंकू कुमार (32) को नींद आ गई और वाहन ने आगे चल रहे ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में 72 वर्षीय कुमार विनय की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 65 वर्षीय कलावती देवी और चार वर्षीय विदुषी ऊर्फ पुग्गी ने जयसिंहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायल नूतन देवी (25) और चालक पिंकू कुमार (32) का अभी भी इलाज जारी है। सभी घायलों को बिरसिंहपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर सहायक सुरक्षा अधिकारी राम जगत तिवारी, सुरक्षा अधिकारी कपिल देव सिंह यादव, उपनिरीक्षक परमानंद पांडे, और कांस्टेबल अश्विनी कुमार यादव पहुंचे।

इन्हौना पीएचसी में आरोग्य मेला

सीएमओ ने किया निरीक्षण, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गायब

अमन लेखनी समाचार

अमेठी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इन्हौना में मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह ने मेले का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था की समीक्षा की। मेले में 46 मरीजों की ओपीडी की गई। 18 मरीजों की विभिन्न जांचें हुईं। सीएमओ ने मरीजों की संख्या, जांच की स्थिति और दवाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। साथ ही पंजीकरण प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनुपस्थित पाए गए। इस पर सीएमओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देना है। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से समय पर उपस्थित रहकर बेहतर सेवाएं देने की अपील की। मेले में स्वास्थ्य विभाग की टीम, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और अन्य कर्मी मौजूद रहे।

डोर-टू-डोर कचरा उठाने वाली कंपनी को नोटिस

अलीगढ़ में नगर आयुक्त ने लापरवाही मिलने पर की कार्रवाई; मिले कूड़े के ढ़ेर

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़, शहर में साफ-सफाई और घरों से कचरा उठाने वाली अर्बन कंपनी को लापरवाही के कारण नोटिस जारी किया गया है। यूजर चार्ज वसूलने में लापरवाही करने के कारण नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाली अर्बन कंपनी को तीन दिन के अंदर नोटिस का जवाब देना होगा। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि काम में बिल्कुल भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जो भी लापरवाही करता है। उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। अलीगढ़ शहर के 90 वार्डों में घर-घर जाकर कूड़ा-कचरा उठाने का जिम्मा अर्बन एनवायरोटेक कंपनी का है। जिससे कि शहर में सफाई का माहौल बना रहे। लेकिन बीते दिनों निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त को शहर में कूड़े के ढ़ेर नजर आए थे और लापरवाही नजर आई थी। इसके साथ ही जांच में पाया गया कि यूजर चार्ज वसूलने में भी कंपनी लापरवाही कर रही है। जिसके कारण राजस्व में कमी आई है और निगम को राजस्व की हानि हो रही है। राजस्व वसूली में लापरवाही मिलने के बाद ही नगर आयुक्त ने कंपनी को तत्काल नोटिस देते हुए जवाब मांगा है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि अर्बन इनवाईरोटेक सर्विसेज प्रा. लि. द्वारा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन किया जा रहा है। यूजर चार्ज की वसूली में अगस्त 2024 से कोई सुधार नहीं हुआ है। फरवरी 2025 के सापेक्ष भी वसूली में लापरवाही मिल रही है। वहीं डोर-टू-डोर कचरा उठाने के काम में भी लापरवाही हो रही है। हेल्पर होते हुये भी कूड़ा न लेना, व्हीकल्स में बैठे रहने जैसी शिकायतें मिली हैं।

संक्षेप

आम आदमी पार्टी ने चलाया सफाई अभियान

आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपकेंद्र जानी खुर्द में साफ किया कूड़ा

मेरठ, आम आदमी पार्टी कार्यकताओं ने सफाई अभियान चलाया। इस बार के रविवार पर सभी आप कार्यकताओं ने मिलकर जानी खुर्द के आयुष्मान आरोग्य मंदिर सबसेंटर में सफाई कार्य किया। वहां जमा कचरा हटाया। पूरे में सफाई करते हुए स्थानीय लोगों को सफाई का महत्व बताया। मेरठ में आप के जिलाध्यक्ष अंकुश चौधरी के कहा मेरठ की जनता के हक और अधिकारों के लिए दिन-रात लड़ते रहेंगे और सरकारी अस्पतालों की बदहाल स्थिति को सुधारने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। योगी सरकार की लापरवाही और उदासीनता ने जनता को केवल निराशा दी है, जिसे हम जन-जन तक उजागर करेंगे। यह हमारा कर्तव्य है कि हम जनता को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ दिलाएँ। आप कार्यकताओं ने बताया कि जब वो अस्पताल में पहुंचे तो वहां चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ था, जहाँ मैदान में घास और कचरे के ढेर ने पूरे क्षेत्र को बदबूदार और अस्वास्थ्यकर बना दिया था। आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने घंटों की कड़ी मेहनत के साथ इस घास को जड़ से साफ किया और परिसर को स्वच्छ बनाया। इसके साथ ही, पूरे अस्पताल परिसर में कली चूना डालकर कीटाणुओं और बीमारियों के खतरे को कम करने का प्रयास किया गया। अस्पताल का टीन शेड पूरी तरह जर्जर और खतरनाक स्थिति में है, जो किसी भी क्षण किसी के ऊपर गिर सकता है। मरीज और उनके परिजन इलाज के लिए इस उपकेंद्र पर आते हैं, लेकिन यह टूटा-फूटा शेड किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है। लोग मजबूरी में उसी खतरनाक शेड के नीचे इकट्ठा होते हैं, जो उनकी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में बिजली का मीटर असुरक्षित तरीके से इतनी नीची ऊँचाई पर लटका हुआ है कि 4-5 साल का छोटा बच्चा भी उसे छू सकता है। यह स्थिति करंट लगने जैसे गंभीर हादसों को जन्म दे सकती है।

अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई

चोरी, लूट और हत्या में शामिल 36 अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट लागू

बुलंदशहर, पुलिस ने मई माह में बड़ी कार्रवाई करते हुए 36 अपराधियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट लागू किया है। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। इन अपराधियों पर संगठित गिरोह बनाकर चोरी, लूट, डकैती, नकबजनी, हत्या और हत्या का प्रयास जैसे अपराध करने का आरोप है। ये अपराधी जनता में भय और आतंक फैलाकर आर्थिक लाभ कमाते थे। पकड़े गए अपराधियों में गुलावठी के सुधीर उर्फ तोतला, फिरोज और सलमान शामिल हैं। खुर्जा नगर क्षेत्र से हापुड़ के ताहिर, मेरठ के दिलावर, नसीम, अकरम और हापुड़ के सोनू को गिरफ्तार किया गया है। अनूपशहर से आरिफ और बादशाह, शिकारपुर से मुन्ना तथा कोतवाली देहात से सुरेश सोनी को पकड़ा गया है। ककोड़ थाना क्षेत्र से गैंग लीडर कामिर, असलम, शाहरुख, सादिक और खालिद उर्फ समर को गिरफ्तार किया गया है।

गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ महाराज का जन्मदिन देशभर में मनाया गया

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और राष्ट्रनायक गोरक्षपीठाधीश्वर परम पूज्य महंत योगी आदित्यनाथ महाराज के जन्मदिवस को विश्व हिन्दू महासंघ ने पूरे भारत में सेवा साप्ताहिक महोत्सव के रूप में भव्य रूप से मनाया। यह आयोजन केवल एक औपचारिक जन्मदिन नहीं, बल्कि राष्ट्र और सनातन धर्म के प्रति समर्पण की भावना का सार्वजनिक प्रदर्शन बना। इस सेवा सप्ताह का आयोजन विश्व हिंदू महासंघ संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष परम पूज्य महंत सुरेन्द्रनाथ अवधूत महाराज के नेतृत्व और प्रेरणा से संभव हुआ जिन्होंने पहले से ही विश्व हिंदू महासंघ संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को दिशा-निर्देश देकर इसे एक सेवा अभियान का स्वरूप दिया था। देशभर में विश्व हिंदू महासंघ के प्रांतीय, ज़िला, मंडल और स्थानीय स्तर के कार्यकताओं ने सेवा, धर्म और राष्ट्र के प्रति अपनी आस्था को कार्यों में परिवर्तित किया। सप्ताहभर चले इस आयोजन में विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए, जिनमें मंदिरों में सुंदरकांड, हनुमान चालीसा पाठ, और विशेष पूजन का आयोजन प्रमुख रहा। गर्मी के मद्दे नजर सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर शीतल जल वितरण सेवा के माध्यम से प्यासे राहगीरों को राहत दी गई। अनेक स्थानों पर भंडारा लगाकर जरूरतमंदों और आम जन को निःशुल्क भोजन प्रदान किया गया। रक्तदान शिविरों का आयोजन कर युवाओं को सेवा से जोड़ने का कार्य भी किया गया। साथ ही कई स्थानों पर स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण कर पर्यावरण चेतना का संदेश भी समाज तक पहुँचाया गया।पूरे आयोजन में विश्व हिंदू महासंघ संगठन के हर स्तर के कार्यकताओं की सक्रियता, अनुशासन और समर्पण ने यह साबित कर दिया कि विश्व हिन्दू महासंघ जमीन पर उतर कर सेवा करने वाला मजबूत राष्ट्रवादी संगठन है। मीडिया को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष परम पूज्य महंत सुरेन्द्रनाथ अवधूत महाराज ने कहा कि गोरक्षपीठाधीश्वर परम पूज्य महंत योगी आदित्यनाथ महाराज हमारे लिए केवल एक मुख्यमंत्री नहीं हैं, वे एक विचारधारा हैं। उनका जीवन संयम, तपस्या, और सेवा का आदर्श है। उन्होंने विश्व हिंदू महासंघ संगठन के सभी कार्यकताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस सेवा सप्ताह में पूरे भारत से जिस प्रकार का उत्साह और समर्पण देखने को मिला, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। इस सेवा सप्ताह के माध्यम से समाज में यह सशक्त संदेश गया कि धर्म और राष्ट्र की सेवा केवल भाषणों से नहीं, कर्म से होती है। गोरक्षपीठाधीश्वर परम पूज्य महंत योगी आदित्यनाथ महाराज के जन्मदिवस को सेवा रूप में मनाकर विश्व हिंदू महासंघ ने यह सिद्ध किया कि सेवा ही सच्चा समर्पण है और यही सनातन संस्कृति की आत्मा भी।

लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन ने 1 कोर मथुरा की कमान संभाली

अमन लेखनी समाचार/अमन मिश्रा

मथुरा। लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल ने 17 जून 2025 को लेफ्टिनेंट जनरल संजय मित्रा, अति विशिष्ट सेवा मेडल से मथुरा में 1 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग का पदभार ग्रहण किया। ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी, चेन्नई के पूर्व छात्र रहे लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन 25 अगस्त 1990 को गढ़वाल राइफल्स की 10 बटालियन में कमीशन प्राप्त किया है। जनरल ऑफिसर डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन, हायर डिफेंस मैनेजमेंट कोर्स, सिकंदराबाद और नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ साइंस और उस्मानिया विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की डिग्री भी प्राप्त की है। लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन के पास नियंत्रण रेखा, आंतरिक इलाकों में काउंटर इंसर्जेंसी/काउंटर टेररिज्म ऑपरेशन और वास्तविक नियंत्रण रेखा सहित सभी प्रकार के विविध इलाकों और परिचालन वातावरण में एक दुर्लभ और अमूल्य अनुभव है। उन्होंने जम्मू और कश्मीर में आंतरिक इलाकों और नियंत्रण रेखा दोनों में ऑपरेशन रक्षक में भाग लिया है। लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन ऑपरेशन मेघदूत और ऑपरेशन स्नो लेपर्ड में भी भाग लिया है। 35 वर्षों से अधिक के अपने विशिष्ट करियर में लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन एक इन्फेंट्री बटालियन, राष्ट्रीय राइफल्स सेक्टर को जम्मू और कश्मीर में और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स की कमान संभाली है। उन्होंने मेजर जनरल स्टाफ ब्रांच में ब्रिगेडियर प्रोक्योरमेंट (ए) और रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय में अतिरिक्त महानिदेशक अनुशासन और सतर्कता सहित कई निदेर्शात्मक और स्टाफ नियुक्तियों पर कार्य किया है। जनरल ऑफिसर इन्फैंट्री स्कूल महू में दो बार प्रशिक्षक रह चुके हैं। लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन सीनियर कमांड विंग, आर्मी वॉर कॉलेज, महू और कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट सिकंदराबाद में डायरेक्टिंग स्टाफ और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन में सीनियर इंस्ट्रक्टर भी रहे हैं। अपनी सराहनीय सेवा के लिए, लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन को तीन बार चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन, अति विशिष्ट सेवा पदक, सेना पदक से सम्मानित किया गया है और वे महानिदेशक सीआरपीएफ कमेंडेशन के भी एक अद्वितीय प्राप्तकर्ता हैं।

बीएसए कॉलेज में जिला चैंपियन खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता कल से

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। खेलों के प्रति निरन्तर प्रयासरत जिला क्रीड़ा भारती मथुरा द्वारा जिला चैंपियन खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन मथुरा स्थित बीएसए कॉलेज के तत्वाधान में आयोजन किया जा रहा है जिला सचिव भूपेंद्र कुमार मिश्रा के अनुसार प्रतियोगिता अंडर 14 बालक वर्ग में आयोजित की जा रही है इस प्रतियोगिता में 32,35,40,46 और 50 किलोग्राम के पहलवान के प्रतिभाग कर सकते हैं प्रतियोगिता में खेलने के लिए पहलवानों को अपना मूल आधार कार्ड लेकर आना आवश्यक है जिला अध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय ने बताया प्रतियोगिता खासकर छोटे बच्चों को एक अच्छे पटल पर ओलंपिक नियमों के आधार पर आयोजन किया जा रहा है पहलवान बढ़ चढ़कर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करें महानगर अध्यक्ष मानवेंद्र चौधरी ने बताया यह प्रतियोगिता बच्चों के आकर्षण का केंद्र बनेगी इसमें पहलवानों के लिए विशेष उपहार भी दिए जाएंगे जिससे कि उनके अंदर खेलों की जागृति उत्पन्न हो बीएसए कॉलेज के प्रधानाचार्य ललित मोहन शर्मा ने बताया की बड़े पहलवानों की खिताबी कुश्ती प्रतियोगिताएं लगभग होती रहती हैं पर छोटे बच्चों की खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता एक बहुत ही आकर्षण का कार्य है क्रीड़ा भारती द्वारा उत्तम आयोजन है आयोजन स्थल बीएसए कॉलेज है प्रातः 9:00 बजे पहलवानो का वजन होगा इस मौके पर पर भगवान सिंह पहलवान, शैलेश मिश्रा,योगेश राठौर,निशांत शर्मा, रजत अग्रवाल, शुभम शर्मा आदि उपस्थित रहे

बेगुनाहों की मौत का जिम्मेदार सुनील चैन के साथ ठेकेदार भी गिरफ्तार

दो माह पूर्व हुयी पार्टनरशिप डीड में शामिल 8 लोगों के नाम आये

अमन लेखनी समाचार

मथुरा/ कच्ची सड़क माया टीले पर भूमाफियाओं की करतूतों के चलते टीला धंसकने के मामले में पुलिस को कामयाबी हाथ लगी है। टीला धंसकने से ढहे मकानों के मलबे में दबकर हुयी दो बच्चियों सहित तीन बेगुनाहों की मौत का जिम्मेदार सुनील चैन पुलिस के हत्थे चढ गया है। ज्ञात रहे कि टीले की मिट्टी काटकर जमीन अवैध खेल वहां चल रहा था, जिसके चलते मिटटी धंसकने से मकान ढहे। इस हादसे में यहां रहने वाले तोताराम और दो मासूम बहनों काव्या और यशोदा की दर्दनाक मौत हो गयी। तीनों की मौत ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं और माफिया गठजोड़ की पोल खोलकर रख दी। गोविंद नगर पुलिस के अनुसार सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन बिरला मंदिर क्षेत्र से उस समय दबोचा गया जब वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। पुलिस ने उसके साथ-साथ ठेकेदार पप्पू को भी गिरफ्तार कर लिया है, जो अवैध मिट्टी खनन कार्य का अहम साझेदार था। इंस्पैक्टर गोविंद नगर ने कहा कि आरोपी टैम्पो में बैठकर भागने की फिराक में था तभी इसे पकड़ लिया गया। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया कि सुनील चैन अपने साथियों के साथ मिलकर माया टीले की जमीन पर अवैध पार्किंग चला रहा था। इसी बहाने वह टीले की मिट्टी खुदवा रहा था ताकि भूमि समतल कर उस पर निर्माण कराया जा सके। लेकिन खनन के चलते जमीन कमजोर हो गई और आसपास के मकानों की नींव हिलने लगी, जिससे रविवार को कई मकान भरभराकर गिर गए। हादसे के बाद से ही मुख्य आरोपी फरार था। पुलिस ने उसकी तलाश के लिए दो-दो टीमें गठित की थीं। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह और सीओ सिटी भूषण वर्मा के नेतृत्व में टीमों ने दो दर्जन से अधिक ठिकानों पर दबिश दी। आखिरकार सर्विलांस के जरिए लोकेशन ट्रैकिंग से पता चला कि वह बिरला मंदिर क्षेत्र में छिपा है, जहां से मंगलवार अपरान्ह उसे दबोचा गया। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेकर अवैध खनन के पूरे नेटवर्क को उजागर करने की तैयारी में है। बाजारों और सोशल मीडिया पर चर्चा फैली कि सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। लेकिन यह खबर पुष्ट नहीं हुयी। बाद में पता चला कि गोविंद नगर पुलिस ने उसे पकड़ा है। इंस्पैक्टर गोविंद नगर ने बताया कि अपरान्ह करीब पौने बारह बजे यह गिरफ्तारी हुयी। जबकि सुबह दस बजे से उसके न्यायालय में समर्पण की चचायें पूरे शहर में थीं।

नगर आयुक्त ने फरियादियों की सुनी शिकायतें

अमन लेखनी समाचार

मथुरा,संभव संतुष्टि एवं समृद्धि के अंतर्गत जन शिकायतों पर नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा जनसुनवाई की गई एवं भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह द्वारा जनसुनवाई की गई तथा वृंदावन जोनल कार्यालय में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। जनसुनवाई में नगर आयुक्त द्वारा सभी शिकायत कताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। कुल 22 शिकायत प्राप्त हुयी, जिनमें सीवर सफाई, जलभराव व पेयजल से संबंधित 09 , नजूल विभाग से संबंधित 01 , अतिक्रमण से संबंधित 02 , पार्क से संबंधित 01 , सफाई से संबंधित 01 एवं स्ट्रीट लाइट से संबंधित 02, कुत्ते पकड़ने से संबंधित 01 , निर्माण से संबंधित 04 एवं कर विभाग से संबंधित 01 शिकायत प्राप्त हुयी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त हुयी शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत कराया जाये जनसुनवाई में अनिल कुमार अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक सहायक नगर आयुक्त अमरेन्द्र गौतम अधिशासी अभियंता, नरेंद्र कुमार मुख्य कर निर्धारण अधिकारी ,राम कैलाश अधिशासी अभियंता जल आदि अधिकारी उपस्थित रहे ।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने की जनसुनवाई

जनसुनवाई के दौरान 16 शिकायत हुई प्राप्त

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डा. बबीता सिंह चौहान ने लोकनिर्माण विभाग गैस्ट हाउस में जन समस्याएं सुनी। इस दौरान 16 पीड़ित महिलाओं ने उपस्थित होकर अपनी समस्यायें उनके समक्ष रखी, जिसमें घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, दहेज प्रथा एवं विवाह उपरान्त प्रेम सम्बन्ध आदि के शिकायतें सम्मलित हैं। उपरोक्त सभी शिकायतों में तत्काल कार्यवाही करने एवं प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के हित में चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक-से-अधिक महिलों को दिये जाने के भी दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक (क्राइम), जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, श्रम प्रर्वतन अधिकारी, महिला थाना, वन स्टाप सेन्टर यूनिट प्रथम/द्वितीय तथा जिला बाल संरक्षण इकाई आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षा ने कहा कि आज की जनसुनवाई में 16 शिकायतें प्राप्त हुई जोकिघरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, दहेज प्रथा एवं विवाह उपरान्त प्रेम सम्बन्ध आदि से सम्बन्धित हैं। जनसुनवाई के दौरान अधिकतर मामले पारिवारिक विघटन के थे, जिनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करने हेतु प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया है। साथ ही जनपद से गुमशुदा बालिकाओं की बरामदगी करने हेतु युद्धस्तर पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा केलिए विभिन्न प्रकार की योजनाऐं जैसे 112, 181 महिला हेल्प लाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, वन स्टॉप सेन्टर आदि संचालित की जा रही है। साथ ही प्रदेश सरकार की महिला कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत महिलाओं तक पहुँचाने की बात कही। उ०प्र० राज्य महिला आयोग द्वारा महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण हेतु समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते है।

मड़िहान-हलिया में बारिश से जनजीवन प्रभावित

दुकानों और घरों में घुसा पानी; 33 डिग्री पहुंचा तापमान

अमन लेखनी समाचार

मिर्जापुर, मौसम ने राहत की करवट ली। दोपहर में आसमान पर छाए घने बादलों और 10 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्मी से राहत दी। तेज धूप और उमस से बेहाल जनता को बादलों की चादर और छिटपुट बारिश ने सुकून का अहसास कराया। पारा 36 डिग्री सेल्सियस से लुढ़ककर 33 डिग्री पर आ गया। मिर्जापुर के दक्षिणी हिस्से, खासकर मड़िहान और हलिया क्षेत्रों में जोरदार बारिश हुई। मड़िहान तहसील परिसर में लगभग 15 मिनट की बारिश से जलप्रवाह शुरू हो गया, जिससे आमजन का आवागमन प्रभावित हो गया। पहाड़ी क्षेत्रों में पानी की निकासी न होने से सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई। हलिया कस्बे में पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क निर्माण के दौरान पुरानी नाली तोड़ दी गई

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 6 लोग झुलसे

मां-बेटे की हालत गंभीर, स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा इलाज

अमन लेखनी समाचार

मिर्जापुर, हलिया थाना क्षेत्र के मतवार और मतवरिया गांवों में मंगलवार की शाम अचानक बदले मौसम ने तबाही मचा दी। तेज गरज-चमक के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर दो महिलाओं समेत कुल छह लोग झुलस गए। घायलों को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। मतवार गांव के मझिगवां इलाके में 33 वर्षीय सावित्री देवी अपने दो बेटों सुग्रीव (14) और सूरज (10) के साथ बरामदे में बैठकर बारिश का आनंद ले रही थीं। अचानक पास में ही आकाशीय बिजली गिरने से तीनों उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। परिजनों ने तुरंत उन्हें नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार पहुंचाया, जहां डॉ. कामेश्वर तिवारी ने उनका इलाज शुरू किया और तीनों को भर्ती कर लिया। इसी तरह मतवरिया गांव में भी आकाशीय बिजली गिरने की दूसरी घटना में 50 वर्षीय नेवासी देवी, 23 वर्षीय छोटू और 27 वर्षीय प्रमिला झुलसकर अचेत अवस्था में पहुंच गए। तीनों को भी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति की निगरानी की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ितों के इलाज और आर्थिक सहायता की मांग की है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों की टीम घायलों के स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए है।स्थानीय लोग इस बात से चिंतित हैं कि हर साल पहली या दूसरी बारिश में बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जनहानि की आशंका भी बनी रहती है।

संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी/फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के बिंदकी के निकट खजुहा रोड नहर पुल के किनारे सैयद बाबा के मजार के समीप एक व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। पास में एक मोटरसाइकिल भी खड़ी मिली। शव को देखते ही हड़कंप मच गया मौके पर भीड़ लग गई सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की परिजनों के आने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार नगर के के निकट नहर के बगल में सैयद बाबा मजार के दीवार के समीप मंगलवार की सुबह लगभग 8:00 बजे दिनेश कुमार पटेल उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी ग्राम सेलावन कोतवाली बिंदकी का शव संदिग्ध अवस्था में देखा गया तो हड़कंप मच गया। मौके पर भारी भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिंदकी लान सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है जांच पड़ताल की जा रही है। शव के समीप एक बाइक भी मिली है।

रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया घूसखोर लेखपाल

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी/फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के बिंदकी तहसील के अंतर्गत बटवारा तथा नक्शा नजरी बनाने के लिए लेखपाल ने5000 रुपए रिश्वत की मांग किया था जिसके चलते पीड़ित ने मामले की शिकायत एंटी करप्शन टीम से किया था। इसी के तहत एंटी करप्शन टीम ने तहसील के अंदर से आरोपी लेखपाल को 5000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर मुकदमा दर्ज किया गया। नगर के तहसील परिसर से मंगलवार की दोपहर करीब 12 बजे एंटी करप्शन टीम प्रयागराज ने लेखपाल सीताराम पुत्र स्वर्गीय अशोक कुमार निवासी अहमदगंज थाना कोतवाली जनपद फतेहपुर राजस्व लेखपाल क्षेत्र करनपुर पधारा तहसील बिंदकी को 5000 रिश्वत लेते समय रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया कर लिया। जिसके खिलाफ कल्याणपुर थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया। बताया जाता है कि बटवारा तथा नक्शा नजरी बनाने के लिए चक्रदत्त तिवारी पुत्र स्वर्गीय नारायण दत्त तिवारी निवासी ग्राम घोरहा कोतवाली बिंदकी जनपद फतेहपुर से आरोपी लेखपाल सीताराम ने5000 की रिश्वत की मांग की थी। इस मामले में चक्र दत्त तिवारी ने एंटी करप्शन टीम प्रयागराज से शिकायत किया था। जिसके चलते मंगलवार को एंटी करप्शन टीम ने बिंदकी तहसील के अंदर से आरोपी लेखपाल सीताराम द्वारा 5000 रुपए रिश्वत लेते समय रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की गई। इस मौके पर एंटी करप्शन टीम की निरीक्षक अंजली यादव के अलावा एंटी करप्शन टीम के निरीक्षक अलाउद्दीन अंसारी, निरीक्षक राकेश बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक अर्जुन सिंह, मुख्य आरक्षी शशिकांत शर्मा, मुख्य आरक्षी सुभाष चंद्र द्विवेदी, सिपाही दीपक शुक्ला, सिपाही सुनील यादव, सिपाही दिनेश प्रसाद, सिपाही वेद प्रकाश मिश्रा मौजूद रहे।

यात्रियों का मोबाइल चोरी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। मथुरा इंस्पेक्टर यादराम सिंह थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन अपनी जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेनों में यात्रियों का सामान व मोबाइल चोरी करने वाले गैंग के एक अभियुक्त को चोरी के मोबाइल सहित गिरफ्तार किया गया हैके नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त जयपाल पुत्र खूब चन्द जातकुर नि0 ग्राम साधन थाना अछनेरा जिला आगरा उम्र करीब 47 वर्ष को रेलवे स्टेशन मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म नम्बर 8 से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों के सामान की चोरी करता हूँ व चोरी किये गये सामान को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए रेलवे स्टेशन मथुरा जं0 पर आते-जाते यात्रियों को बेच देता हूँ ।

चोपन पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अन्तर्गत चल सम्पत्ति को किया गया कुर्क

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन/नेतृत्व में चलाये जा रहे सम्पत्ति जब्तीकरण अभियान के क्रम में, धारा 14(1) गैंगेस्टर अधिनियम के अन्तर्गत थाना चोपन जनपद सोनभद्र पर पंजीकृत मु0अ0सं0 112/2025 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धि अभियुक्त रत्नेश कुमार कुशवाहा पुत्र नान्हू कुशवाहा निवासी घिवही थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र के द्वारा अपराधिक कृत्यो से अर्जित चल /अचल सम्पत्ति की जाँच की गयी तो अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त रत्नेश कुमार कुशवाहा पुत्र नान्हू कुशवाहा उपरोक्त के नाम से वाहन संख्या UP64BT9077 पीकप होना पाया गया जिसका मुल्याँकन सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा किया गया तो मूल्यांकन मे अनुमानित कीमत 6,00,000 (6 लाख) रुपये निर्धारित हुआ। उक्त वाहन के सम्बन्ध मे जिलाधिकारी सोनभद्र उ0प्र0 गिरोह बन्द समाज क्रिया कलाप निवारण अधिनिय 1986 की धारा 14(1) मे जफ्तीकरण किये जाने हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी जिस पर जिला मजिस्ट्रेट सोनभद्र द्वारा उक्त वाहन को कुर्क किये जाने का आदेश निर्गत किया गया। जिसके परिपेक्ष मे अभियुक्त रत्नेश कुमार कुशवाहा पुत्र नान्हू कुशवाहा उपरोक्त द्वारा अपराधिक कृत्य से अर्जित वाहन सख्या UP64BT9077 पीकप को अन्तर्गत धारा 14(1) गैंगेस्टर एक्ट मे कुर्क/जब्त किया गया।

ठाणे जेल में बनेगा ऐतिहासिक संग्रहालय, दिवाली तक आम जनता के लिए खुलेगा

—विधायक संजय केलकर की पहल, क्रांतिकारियों के बलिदान की गाथा होगी प्रदर्शित

अमन लेखनी समाचार

ठाणे,ठाणे शहर के ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करने और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े वीर क्रांतिकारियों के बलिदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से ठाणे जेल में एक विशेष संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है। इस संग्रहालय की परिकल्पना और पहल ठाणे के विधायक संजय केलकर ने की है। केलकर ने मंगलवार को विशेषज्ञों के साथ इस संग्रहालय का निरीक्षण किया और दिवाली तक इसे आम नागरिकों के लिए खोलने की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान इतिहासकार मकरंद जोशी, मूर्तिकार वर्षा रेड्डी, प्रज्ञा म्हात्रे सहित जेल अधीक्षक रानी भोसले और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। संग्रहालय में 1737 से 1947 तक के ठाणे मुक्ति संग्राम के इतिहास से जुड़ी घटनाओं को मूर्तियों के माध्यम से जीवंत किया जाएगा। मूर्तियों का निर्माण मूर्तिकार वर्षा रेड्डी कर रही हैं और इस कार्य में उन्हें इतिहास शोधकर्ता पांडुरंग बलकावड़े का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। संग्रहालय में पांच फीट ऊंची मूर्तियों के माध्यम से क्रांतिकारियों की गाथा प्रस्तुत की जाएगी। ठाणे किले के इतिहास से लेकर पुर्तगालियों द्वारा उसके निर्माण, मराठों द्वारा विजय और अंग्रेजों द्वारा उसे जेल में बदलने तक की पूरी कहानी इन मूर्तियों के माध्यम से दिखाई जाएगी। हर मूर्ति के नीचे इतिहास से संबंधित दो पंक्तियों में जानकारी दी जाएगी।

30वीं पुण्यतिथि पर जननायक रामनाथ पाठक को काव्यांजलि से कवियों ने किया याद

रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पसही में हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पूर्व विधायक लोकहित के लिए सदैव तत्पर रहे दिवंगत जननायक रामनाथ पाठक को रविवार को उनके तीसवें बरसी पर कवियों ने भव्य दिव्य कवि सम्मेलन कर पसहीं कला में देर शाम मार्कण्डेय राम पाठक के आयोजन व वरिष्ठ साहित्यकार अजय शेखर की अध्यक्षता में व रामनाथ शिवेन्द्र मुख्य अतिथि के सानिध्य में काव्यांजलि से पूरे आयोजन को साहित्यमय बना दिया। वाणी वंदना करते हुए ईश्वर विरागी ने मां शारदे मां शारदे,,, कवियों को कोकिल स्वर कर दे से आगाज हुआ। उनकी रचना देश में नव विहान लायें हम एकता के गीत गुनगुनायें हम काफी सराही गई। कवयित्री रचना तिवारी गीतकार ने, हवा हूँ इक हवा हूँ मैं, बुजुर्गों की दुआ हूँ मैं, महकना हो तो आ जाओ, मोहब्बत का पता हूँ मैं सुनाकर तालियां बटोरीं। प्रदुम्न कुमार त्रिपाठी एडवोकेट ने प्यार सदभाव का आचरण चाहिए, मन में सुचिता सरल व्याकरण चाहिए, हैं मनुज तो मनुजता निभाते चलें, विवेकानंद सा जागरण चाहिए सुनाकर वाहवाही लूटी। कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने, मुझको अबला मत समझो मैं झांसी वाली रानी हूँ। दिव्या राय ने, खुदा उस महल में बेटी न देना, जहाँ बेटियों की कदर ना रहे धर्मेश चौहान एडवोकेट ने हिंदोस्तान पर मेरा तन मन धन कुरबान, जयराम सोनी ने, प्रधानी चुनाव पर हास्य व्यंग्य की रचना, विवेक चतुर्वेदी ने शायरी सुनाकर वातावरण में जलवा बिखेरा। शायर अब्दुल हई की गजल, रो के बुलबुल ने कहा कैद से रिहा न करो, गुल हितों पर कभी सैयाद के पहले होंगे काफी सराही गई। राकेश शरण मिश्र एडवोकेट, सुधाकर स्वदेश प्रेम, दयानंद दयालू ने भी काव्यांजलि से महफि ल को रौनक किया। ओज कवि प्रभात सिंह चंदेल ने, छाती तान डटा सरहद पर होने को बलिदान, सुनाकर वातावरण देशभक्ति का सृजित किया सराहे गये। विशिष्ट अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र ने हमें रोटियां ही दीजिये बहुत भूख लगी है, दे रहे हैं गीता कुरान किसलिए सुनाकर सदभावना समरसता का संदेश दिया। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्य कार चिंतक निदेशक मधुरिमा साहित्य गोष्ठी अजय शेखर ने रामनाथ पाठक के कृतित्व व्यक्तित्व कार्य व्यवहार की विशद चर्चा करते हुए अपनी रचना, मानव कल्याण हित विषपान करते हैं, हम अस्थि से भी वज्र का निर्माण करते हैं सुनाकर महफि ल को पूर्णता प्रदान किये। आभार कौशलेश पाठक धन्यवाद भाषण मार्कण्डेय राम पाठक ने व्यक्त किया। इस अवसर पर देर रात तक श्रोता जमे रहे, जिनमें विजयशंकर चतुर्वेदी, पूर्व विधायक तीरथराज ,भोलानाथ मिश्र, फरीद अहमद, मृदुल मिश्रा, कन्हैया पाण्डेय राघवेंद्र तिवारी आदि रहे।

खास समाचार

अनपरा क्षेत्र में पेड़ की डाली पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले व्यक्ति को थाना प्रभारी अनपरा द्वारा सकुशल नीचे उतारा गया

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। दिनांक 16.06.2025 की रात्रि प्रभारी निरीक्षक अनपरा सोनभद्र, शिव प्रताप वर्मा वाराणसी से साक्ष्य देकर वापसी में सिदहवाँ जंगल से गुजर रहे थे कि उसी समय लोगों को रोड के किनारे खड़ा देख रुककर पूछा गया तो एक व्यक्ति ललित गुप्ता उर्फ पप्पू पुत्र गुलाब निवासी सिदहवाँ थाना अनपरा पेड़ की डाली पर फांसी का फंदा लगाकर बैठा था। थाना प्रभारी अनपरा द्वारा भीड़ को चुप कराकर हिकमत अमली से बात करके आत्महत्या के लिए फांसी का फंदा लगाकर पेड़ की डाली पर बैठे व्यक्ति सकुशल पेड़ से नीचे उतरवाया गया। पूछने पर उसने खेत की बिक्री के 22 लाख रुपये को लेकर माँ से विवाद होना बताया। ललित गुप्ता उर्फ पप्पू उपरोक्त विवाहित है और उसके 05 बच्चें हैं तथा अनपरा प्लांट में नौकरी करता है। प्रभारी निरीक्षक अनपरा द्वारा उसे थाना अनपरा पर साथ लाया गया है और उसकी पत्नी, उसके पांचो बच्चों और माता-पिता को काउंसलिंग हेतु बुलाया गया है। मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

क्षेत्राधिकारी घोरावल द्वारा थाना घोरावल का किया गया अर्धवार्षिक निरीक्षण

सम्बन्धित को दिये गए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय द्वारा द्वारा थाना घोरावल का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। महोदय द्वारा सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, हवालात, मालखाना, महिला हेल्प डेस्क, कंप्यूटर कक्ष, सीसीटीवी, मेस, बैरक आदि का निरीक्षण किया गया तथा थाना परिसर, बैरक, मेस इत्यादि को साफ व स्वच्छ रखने एवं कार्यालय के अभिलेखों को अद्यावधिक कर बेहतर ढंग से व्यवस्थित रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया, साथ ही अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, थाने पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित/शिकायतकर्ता की शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुनने व उनके प्रार्थना-पत्रों को रजिस्टर में क्रमबद्ध तरीके से अंकित कर उसकी शत-प्रतिशत सुनवाई करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई करने, शस्त्रों का रख-रखाव व नियमित साफ-सफाई करने हेतु, मिशन शक्ति कक्ष/महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त पुलिसकर्मी को आने वाली फरियादियों की समस्या को सहानुभूति पूर्वक सुनकर उनका निस्तारण कराने के साथ ही एंटी रोमियों टीम को अपने बीट क्षेत्र में जाकर महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गये।

सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट हुई बार एसोसिएशन, लखनऊ में सौंपा ज्ञापन

मुख्यमंत्री से मुलाकात की भी संभावना, रजिस्ट्री ऑफिस और राजस्व न्यायालय का बहिष्कार आज भी जारी

अमन लेखनी समाचार

दुद्धी (सोनभद्र)। दुद्धी बार एसोसिएशन एवं सिविल बार एसोसिएशन एक बार फिर क्षेत्रीय जनहित से जुड़े अहम मुद्दों को लेकर एकजुट नजर आई। जिसे लेकर पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के चेयरमैन अनिल कुमार से मुलाकात की और दुद्धी उपनिबंधन कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और किसानों व आमजन के आर्थिक शोषण के मसले को विस्तार से उनके सामने रखा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उपनिबंधन कार्यालय में अलग-अलग गाटों की अलग-अलग उद्धरण खतौनी के आधार पर खरीद-बिक्री की प्रक्रिया में जानबूझकर बाधाएं डाली जाती हैं। इससे न सिर्फ आम जनता को आर्थिक शोषण का शिकार होना पड़ता है, बल्कि काश्तकारों को भी अंश निर्धारण और नामांतरण में अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में राजस्व परिषद चेयरमैन को ज्ञापन सौंपते हुए दुद्धी बार प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि इस पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता लाई जाए और भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने प्रमुख सचिव स्टांप एवं पंजीकरण अमित कुमार, प्रमुख सचिव वित्त दीपक कुमार और एपीसी से भी भेंट कर दुद्धी के बंद उपकोषागार को वादकारियों एवं जनहित में पुनः चालू कराने की भी मांग की। प्रतिनिधिमंडल में बार एसोसिएशन दुद्धी के अध्यक्ष प्रेमचंद यादव एडवोकेट, वरिष्ठ अधिवक्ता रामपाल जौहरी, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, विपिन बिहारी व आनंद कुमार गुप्ता एडवोकेट शामिल रहे। बार के प्रतिनिधियों ने संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न अनियमितताओं के त्वरित निस्तारण की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज यह प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी भेंट कर उन्हें उक्त विषयों से अवगत कराएगा और ज्ञापन सौंपेगा। इधर, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेमचंद यादव एडवोकेट के निदेर्शानुसार पूर्व की भांति मंगलवार को भी अधिवक्ता उपनिबंधन कार्यालय और राजस्व न्यायालय का पूर्ण बहिष्कार किया।हड़ताल जारी रहने की घोषणा करते हुए उन्होंने बताया कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा।अधिवक्ताओं की एकजुटता ने इस लंबे समय से चली आ रही समस्या पर शासन-प्रशासन का ध्यान खींचा है। अब देखना यह है कि सरकार कब तक इस पर सकारात्मक कार्रवाई करती है।

एएसपी मुख्यालय द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क में मंगलवार परेड की ली गई सलामी, किया गया निरीक्षण

शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़।

अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार करवाया गया ड्रिल।

यू0पी0-112 वाहनों की गहनता से की गयी चेकिंग।

कर्मियों की किया गया गार्द रजिस्टर पेशी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। दिनांक 17.06.2025 को अनिल कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सोनभद्र द्वारा पुलिस लाईन चुर्क परेड ग्राउंड में मंगलवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा यू0पी0-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण/सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी। तत्पश्चात पुलिस लाईन चुर्क में स्थित क्वार्टर गार्द पर तैनात सलामी गार्द द्वारा एएसपी मुख्यालय महोदय को सलामी दी गयी जिसपर महोदय द्वारा सलामी का अभिवादन स्वीकार किया गया। इस दौरान क्वार्टर गार्द, स्टोर, परिवहन शाखा, मेस, पुलिस बैरक व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

देश को आगे बढ़ाना है, तो नारी को सशक्त बनाना है

महिलाओं को दें इतना सम्मान, कि देश का बढ़े मान।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे ह्यमिशन शक्ति फेज-5.0₹ के तहत आज दिनांक 17.06.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

पिपरी पुलिस द्वारा 3 वारण्टी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी पिपरी के पर्यवेक्षण में वारण्टी/ वांछित अभियुक्त गण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में आज दिनांक 17.06.2025 को थाना पिपरी पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टी अभियुक्तगण क्रमशः 1. विनोद कुमार राय पुत्र सुरेन्द्र कुमार राय निवासी चाचा कालोनी रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र, 2. लखपतिया देवी पत्नी स्व0 राम बचन यादव निवासी मेन रोड रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र, 3. नीशु कुमार पुत्र लोकनाथ पाण्डेय निवासी f-451(३) मुरलीगढ़ी तुर्रा थाना पिपरी जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। इनकी गिरफ्तारी से पिपरी क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

कोन वन रेंज में माफियाओं का कहर लगातार जारी

लोगों ने किया वन विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

कोन वन रेंज में वन भूमि पर पेड़ों की अवैध कटान कर कब्जा बदस्तु लगातार जारी

वन विभाग मौन, लोग कर रहे हैं जगह जगह प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

कोन/सोनभद्र। ओबरा वन प्रभाग के वन रेंज कोन अन्तर्गत सम्पूर्ण सेक्सन में वन भूमि पर कब्जा व पेड़ों की कटान बदस्तु जारी है। इसी क्रम में बतातें चलें कि बागेसोती बीट के झारखंड अंतर्राज्जिय सीमा पर झारखंड वासियों द्वारा उत्तर प्रदेश के सीमा के अंदर लगभग 70 मीटर आकर घर तक बना लिया गया है और वहीं खोहिया जंगल, बड़ाप्के ललुआखोह, बेवरा(बरवाहीखोली) अचरज(हड़वरिया) टेवना (घटवारिया) भालुकूद के धरनवा बॉर्डर, कोन के मिश्री, चांचीकलां सहित अन्य जगहों पर बड़े पैमाने पर पेडों को कटान करके वन भूमि पर कब्जा किया जा चुका है। जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों से किया जा चुका है किन्तु संबंधित विभाग द्वारा फर्जी कागजी कोरम पूरा करने का सिलसिला अन्वरत जारी है। जिससे क्षुब्ध होकर आज तड़के सलैयादामर में स्थानीय लोगों ने रघुवर प्रसाद पासवान की अगुवाई में वन विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए कहा कि वन विभाग की मनमानी नहीं चलेगी, नहीं चलेगी, , वन विभाग होश में आओ, होश में आओ, जैसे नारे लगाए गये और कार्रवाई न होने की दशा में आंदोलन करने की बातें कही। जिसके क्रम में वन विभाग से नाराज ग्रामीणों ने कहा कि कोन वन रेंज के अधिकारियों व कर्मचारियों की अफसरशाही इस कदर बढ़ गई है कि क्षेत्र में कोई भी कर्मचारी गस्त नहीं करता और वहीं स्थानीय वन चौकी वीरान पड़ा है। शिकायत करने पर इनके द्वारा कार्यवाही का आश्वासन देकर सिर्फ फर्जी खानापूर्ति किया जाता है। जिससे अबैध खननकताओं व भू माफियाओं के हौसलें बुलंद हैं और वहीं संबंधित विभाग राजस्व विभाग को पत्राचार कर अपने कर्तब्य की इतिश्री कर लेता है और राजस्व विभाग द्वारा समयाभाव के कारण टाल दिया जाता है जो सोचनीय है।बतातें चलें कि इन दिनों कोन वन रेंज माफियाओं के गिरफ्त में है जिससे साफ तौर पर वन क्षेत्रों में घर तक देखा जा सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि वन विभाग द्वारा मौन सहमति देते हुए वन माफियाओं को खुली छूट दे रखी है। जिसके क्रम में भाजपा बूथ अध्यक्ष कैलास राम भारती ने आरोप लगाया है कि वन विभाग की मिली भगत से हरे पेड़ों की कटान और वन भूमि पर कब्जा जारी है और यहाँ तक वन विभाग का कोई भी कर्मचारी स्थानीय चौकी पर नहीं रहता है और चुप्पी साधे हुए है। वहीं स्थानीय निवासी रघुवर प्रसाद ने बताया कि वन भूमि पर कब्जा को लेकर कई बार प्रदर्शन और शिकायत किया गया लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके क्रम में कई बार संबंधित पोर्टल व स्थानीय समाचार पत्रों व न्यूज चैनल में खबर प्रकाशित भी हुआ है फिर भी वन विभाग मुकदर्शक बनकर तमाशबिन बना हुआ है। प्रदर्शन करने वालों में वन समिति अध्यक्ष कचनरवा बिहारी प्रसाद यादव भाजपा बूथ अध्यक्ष कचनरवा कैलास राम भारती, रघुवर पासवान, व राजकुमार, बंधु शंभु, दयाशंकर आदि लोग शामिल रहे। जिसके क्रम में लोगों ने बताया कि वन रेंज कोन के कोन, बागेसोती, भालुकूदर, में वन भूमि पर अबैध कब्जा करना जारी है वहीं विभाग कार्यवाही के नाम पर शिकायत कताओं से लिखित शिकायत करने की बात या अन्य कारणों से पल्ला झाड़ लेते हैं। जब लिखित शिकायत की जाती है तो संबंधित जाँच अधिकारी द्वारा घर बैठे बैठे या किसी को विना सूचना दिये जीपीएस मैप के द्वारा खानापूर्ति करते हुए माफियाओं के बचाव पक्ष में फर्जी जाँच आख्या लगा दी जाती है। इसी क्रम में पर्यावरणविदों ने जंगलों में पेड़ों की अंधाधुंध अबैध कटान व जमीन पर अबैध कब्जा को लेकर चिंता व्यक्त किया है। आखिर सबसे बड़ा सवाल उठता है कि संबंधित विभाग इन माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं करता, जबकि भ्रष्टाचार के मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश सरकार माफियाओं को मिट्टी में मिलाने के कटिबद्ध है। इसी क्रम में कुछदिन पहले जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया था कि क्षेत्र में कहीं भी पेड़ों की कटान और भूमि पर कब्जा, अबैध खनन न हो लेकिन माफियाओं द्वारा उनके आदेशों को दर किनार करते हुए अंधाधुंध पेड़ों की कटान करके भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ कुछ जानकारों का कहना है कि प्रदेश के मुखिया का जीरो टालरेंस की नीति को वन कर्मियों व माफियाओं द्वारा सरेयाम ठेंगा दिखाया जा रहा है। इसी क्रम में बतातें चलें कि कोन वन रेंज के चांची कला निवासी सत्यानंद चौबे ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि चांचीकला में वन भूमि कब्जा को लेकर कई बार शिकायत किया लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्यवाही के नाम पर फर्जी कागजी कोरम पूरा किया जाता है और न ही इनके द्वारा कॉल रीसिव किया जाता है।इस बावत वन क्षेत्राधिकारी कोन सतेंद्र सिंह से सेल फोन पर सम्पर्क किया गया लेकिन कॉल रीसिव नहीं हुआ। बहरहाल प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा इस मामले में कौन सा कार्यवाही किया जायेगा यह तो वक़्त ही बतायेगा या कागजों में ही सिमट कर रह जायेगा।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

हेल्थ टिप्स

बड़े फायदे हैं डम्बल शोल्डर श्रग एक्सरसाइज करने के

जिम में वर्कआउट करते हुए हम अपनी बॉडी के हर पार्ट की एक्सरसाइज करते हैं। चेस्ट व बैक की ही तरह शोल्डर को भी नजरअंदाज नहीं किया जाता है। शोल्डर डे के दिन कई तरह की एक्सरसाइज को लोग अपने वर्कआउट रूटीन में शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है डम्बल शोल्डर श्रग्स। इसे एक बेहतरीन एक्सरसाइज माना जाता है, जो आपके शोल्डर को मजबूत बनाने में मदद करती है। साथ ही, आपको गर्दन में अकड़न या दर्द की शिकायत होने की संभावना भी काफी कम हो जाती है।

यह एक बेहद ही सिंपल एक्सरसाइज मानी जाती है, जिसे हर कोई अपने वर्कआउट रूटीन में शामिल कर सकता है। लेकिन इसके ढेर सारे फायदे हैं। हो सकता है कि आपको लगे कि डम्बल शोल्डर श्रग्स करते हुए बस डम्बल पकड़कर कंधों को ऊपर-नीचे ही तो करना है, लेकिन इसका असर जबरदस्त होता है। तो चलिए आज इस लेख में पावरलिफ्टिंग में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर और एनीटाइम फिटनेस के फिटनेस ट्रेनर विनय माहौर आपको बता रहे हैं कि डम्बल शोल्डर श्रग्स करने से आपको क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं-

डम्बल शोल्डर श्रग एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपके ट्रैप्स यानी ट्रैपेज़ियस मसल्स पर काम करती है। ये मसल्स आपके शोल्डर के ऊपरी हिस्से और गर्दन के आस-पास होते हैं। जब ये मसल्स स्ट्रॉन्ग होते हैं तो आपके शोल्डर और गर्दन की शेप भी काफी अच्छी आती है। इससे आपके शोल्डर चौड़े और ज़्यादा परिभाषित दिखते हैं।

पोश्चर होता है बेहतर

आज के समय में शरीर में होने वाले अधिकतर दर्द के पीछे की वजह बैड पोश्चर होता है। हममें से ज़्यादातर लोग घंटों मोबाइल या लैपटॉप पर झुके रहते हैं, जिससे पीठ झुक जाती है और शोल्डर आगे आ जाते हैं। ऐसे में डम्बल शोल्डर श्रग करने से आपको फायदा मिल सकता है। श्रग्स आपके कंधों को ऊपर और पीछे खींचते हैं, जिससे आपका बॉडी पोश्चर सुधरता है। अच्छा पोश्चर होने की वजह से गर्दन और पीठ के दर्द की शिकायत भी काफी कम हो जाती है।

डेली काम बनता है आसान

आपको शायद पता ना हो, लेकिन डम्बल शोल्डर श्रग करने से आपका डेली काम भी काफी आसान बन जाता ह। दरअसल, यह एक्सरसाइज आपके ट्रैप्स मसल्स को स्ट्रॉन्ग बनाती है और ट्रैप्स मसल्स स्ट्रॉन्ग होने से रोज़ के काम जैसे भारी बैग उठाना, बॉक्स शिफ्ट करना या बच्चों को गोद में उठाकर रखना भी आसान हो जाता है। श्रग्स करने से आप अपने दैनिक जीवन में वजन उठाने में अधिक आसानी महसूस करते हैं।

टाइम और स्पेस होती है बचत

अक्सर लोग कई एक्सरसाइज को अपने वर्कआउट रूटीन से सिर्फ इसलिए स्किप कर देते हैं, क्योंकि उन्हें करना काफी कठिन होता है या फिर उसके लिए हैवी मशीन की जरूरत होती है। जबकि श्रग्स करना बहुत आसान है। इसके लिए आपको बस एक जोड़ी डम्बल चाहिए। इसे आप बेहद ही कम स्पेस में आसानी से कर सकते हैं और मुश्किल ना होने की वजह से बिगनर भी इसे आसानी से कर सकते हैं।

मजबूत होते हैं ट्रैप्स मसल्स

डंबल शोल्डर श्रग एक्सरसाइज का मुख्य लाभ यह है कि यह ट्रैप्स मसल्स को मजबूत करता है। ट्रैप्स मसल्स कंधे के ऊपरी हिस्से और गर्दन के आसपास होते हैं और इन्हें मजबूत करने से कंधे चौड़े और मजबूत दिखते हैं।

ताकत बढ़ती है पकड़ की

डंबल श्रग एक्सरसाइज आपकी पकड़ की ताकत बढ़ाने में मदद करती है। जब आप डंबल को पकड़कर कंधों को ऊपर उठाते हैं, तो आपकी पकड़ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। डंबल श्रग एक्सरसाइज आपकी ऊपरी पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करती है, जिससे आपका पोस्चर बेहतर होता है। मजबूत ट्रैप्स मसल्स कंधों से जुड़े एक्सरसाइज में सुधार करते हैं, जैसे कि डेडलिफ्ट, ओवरहेड प्रेस और रोइंग।

● जानिए शरीर में खून का थक्का बनने की वजह

गंभीर समस्याओं की वजह बन सकता है शरीर में खून का थक्का, प्रतिरक्षा तंत्र पर आ सकता है गंभीर संकट

शरीर में खून के थक्के बनने की प्रक्रिया को थ्रॉम्बोसिस कहा जाता है। यह एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है जो चोट लगने पर अत्यधिक खून बहने से बचाती है। लेकिन जब बिना चोट के या गलत जगह पर खून के थक्के बनने लगते हैं, तो यह गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। हमारे शरीर का मैकेनिज्म ऐसा है कि ये खुद से ही अपनी रक्षा कर सकता है। ये तंत्र लगातार काम करता रहता है, इस तरह से, कि कई बार आपको पता भी नहीं चलता और शरीर कई समस्याओं से मुकाबला करके आपको बड़ी दिक्कतों से बचा लेता है। खून के थक्के बनना (ब्लड क्लॉटिंग) भी ऐसी ही एक स्थिति है जो शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शरीर रक्त के थक्के बनाकर चोट और रक्तस्राव की स्थिति में ज्यादा खून बहने से बचाता है।

खून के थक्के बनना अच्छा संकेत है, पर अगर ये थक्के अधिक या बिना किसी कारण के बनने लगें तो इसके गंभीर और जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। शरीर में खून के थक्के बनने की प्रक्रिया को थ्रॉम्बोसिस कहा जाता है। यह एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है जो चोट लगने पर

अत्यधिक खून बहने से बचाती है। लेकिन जब बिना चोट के या गलत जगह पर खून के थक्के बनने लगते हैं, तो यह गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी समस्याओं के लिए भी अनावश्यक रूप से खून के थक्के बनने को कारण माना जाता है।

रक्तस्राव की स्थिति में फायदेमंद है ब्लड क्लॉटिंग

रक्तस्राव की स्थिति में आपका लिवर तुरंत एक्टिव हो जाता है और आपके खून में मौजूद प्लेटलेट्स को चिपकाकर रक्त के थक्के बनाता है और रक्तस्राव को रोकने में मदद करता है। हालांकि कुछ स्थितियों में शरीर में बिना चोट के भी थक्के बनने लगते हैं जिसके कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। रक्त के थक्के जमने की इस तरह की समस्या खतरनाक हो सकती है, खासकर तब जब इसका समय पर इलाज न मिले। धमनियों में रक्त के थक्के बनने से हृदय तक रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है जिससे हार्ट अटैक-स्ट्रोक हो सकता है।

ब्लड क्लॉटिंग के कारण होने वाली दिक्कतें

नसों में रक्त के थक्के बनने पर ये रक्तप्रवाह के माध्यम से शरीर के अन्य हिस्सों में भी जा सकते हैं। डीप वेन थ्रोम्बोसिस- आपके पैर, हाथ, लिवर, आंतों या किडनी की नसों में रक्त का थक्का बनने की समस्या है। पल्मोनरी एम्बोलस- आपके फेफड़ों में रक्त का थक्का बनने की समस्या है। धमनियों में रक्त के थक्के बनने की स्थिति स्ट्रोक, दिल का दौरा, पैरों में गंभीर दर्द, चलने में कठिनाई जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है।

खून के थक्के क्यों बनते हैं?

लंबे समय तक बैठने या लेटे रहने (शारीरिक रूप से निष्क्रिय लोग) से खून का बहाव धीमा हो जाता है, इसके कारण भी खून के थक्के बनने की समस्या हो सकती है। गर्भनिरोधक गोलियां और हार्मोन थेरेपी शरीर में एस्ट्रोजन की मात्रा बढ़ाकर थक्के बनने की आशंका बढ़ा देती हैं। अनावश्यक रूप से अगर शरीर में खून के थक्के बनने लगें तो इसका समय पर निदान और इलाज जरूरी हो जाता है।

यूरिक एसिड बढ़ने का कारण हो सकती हैं आपकी आम गलतियां

यूरिक एसिड का स्तर नियंत्रित रखने के लिए खानपान और जीवनशैली में बदलाव अत्यंत आवश्यक है। आइए जानते हैं कि किन चीजों के कारण आपका यूरिक एसिड बढ़ सकता है और इसे कैसे कंट्रोल किया जाए?

यूरिक एसिड का स्तर बढ़ना आजकल एक आम समस्या बन चुकी है। अगर इसे समय रहते नियंत्रित न की जाए, तो इसके कारण गठिया, किडनी स्टोन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खान-पान में गड़बड़ी के कारण यूरिक एसिड की दिक्कत बढ़ती जा रही है, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधान हो जाना चाहिए।

यूरिक एसिड का स्तर नियंत्रित रखने के लिए खानपान और जीवनशैली में बदलाव अत्यंत आवश्यक है। रेड मीट, सीफूड, अल्कोहल और मीठे पेय से दूरी बनाकर, स्वस्थ और पौष्टिक खानपान की आदत बना ली जाए तो इस समस्या से बचाव किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि किन चीजों के कारण आपका यूरिक एसिड बढ़ सकता है और इसे कैसे कंट्रोल किया जाए?

पहले यूरिक एसिड के बारे में जान लीजिए

यूरिक एसिड शरीर में पाए जाने वाले प्यूरिन नामक तत्व के ब्रेकडाउन से बनता है। प्यूरिन प्राकृतिक रूप से शरीर की कोशिकाओं में और कुछ खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। जब शरीर में प्यूरिन की मात्रा बढ़ जाती है, तो ये ठीक से बाहर नहीं निकल पाती है और जमा होने लगती है। समय पर इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो आप मुश्किल में फंस सकते हैं। यूरिक एसिड को कंट्रोल रखने के लिए कुछ चीजों से दूरी बनाना या इनका सेवन कम करना चाहिए।

रेड मीट और सी फूड नुकसानदायक

रेड मीट वैसे तो प्रोटीन का अच्छा स्रोत है पर इसका अधिक सेवन कई प्रकार से नुकसानदायक हो सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, रेड मीट का अधिक सेवन करने वालों में यूरिक एसिड और गाउट की आशंका अधिक पाई गई। इसी तरह झींगे, टूना और मैकेरल जैसे समुद्री मछलियों में भी उच्च मात्रा में प्यूरिन पाया जाता है। हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की एक अध्ययन ने पाया कि नियमित रूप से सीफूड का सेवन करने से भी यूरिक एसिड का स्तर बढ़ता है।

शराब के कई सारे नुकसान

शराब को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है, इससे यूरिक एसिड बढ़ने का भी खतरा रहता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग अक्सर अल्कोहल, विशेषकर बीयर पीते हैं, उनमें गाउट का खतरा लगभग दोगुना अधिक होता है। शराब से दूरी बनाना कई प्रकार के कैंसर और फेफड़ों की बीमारियों से बचाव के लिए भी जरूरी है।

ये चीजें भी हानिकारक

कोल्ड ड्रिंक, सोडा जैसे ड्रिंक्स भी शरीर में प्यूरिन के निर्माण को तेज कर सकते हैं। जामा जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि फ्रुक्टोज का अधिक सेवन यूरिक एसिड के स्तर को तेजी से बढ़ाता है। ज्यादा प्रोसेस्ड फूड और फास्ट फूड जैसे चिप्स-बिस्कुट, इंस्टेंट नूडल्स में ट्रांस फैट्स और रिजर्वेटिव्स होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करते हैं और यूरिक एसिड बढ़ा सकते हैं।

भगवान शिव को प्रसन्न करने सोमवार को करें ये उपाय

सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दिन शिव भक्त शिवजी की पूजा-पाठ आदि करने के अलावा उपवास भी रखते हैं। सोमवार के दिन कई कष्टों को दूर करने के लिए कुछ उपाय भी किए जाते हैं। जिनको करने से कई समस्याओं का निवारण होता है। यदि आप को भी किसी किसी तरह की कोई परेशानी है, तो आप ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी द्वारा बताए गए इन उपायों को सोमवार के दिन कर सकती हैं। इससे आपके जीवन की दिक्कतें दूर हो सकती हैं।

सोमवार के दिन भगवान शिव को प्रसन्न करना चाहते हैं तो इस दिन भगवान शिव को सफेद चंदन लगाएं और शिव चालीसा का पाठ करें। क्योंकि सफेद चंदन भगवान शिव को बेहद प्रिय है। ऐसी मान्यता है कि अगर आप भोलेनाथ को प्रसन्न करना चाहते हैं तो सोमवार के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर उनका जल से अभिषेक करें और सफेद चंदन लगाकर शिव जी के मंत्रों का जाप करें। इससे लाभ हो सकता है।

सोमवार को विवाह के उपाय

अगर किसी जातक के विवाह में कोई भी परेशानी आ रही है तो सोमवार के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की एक साथ पूजा करें। इससे शीघ्र विवाह के योग बनते हैं और वैवाहिक जीवन में आ रही बाधाएं भी दूर होती हैं। सोमवार के दिन 108 बेलपत्र लें और हर बेलपत्र पर चंदन से शिव-शंभू लिखें। इसके बाद एक-एक करके सभी बेलपत्र शिवलिंग पर चढ़ाएं। यदि किसी कन्या

की शादी में बाधा आ रही है, तो उसे सोमवार के दिन पीले वस्त्र पहनकर शिवलिंग पर जल और नागकेसर का फूल चढ़ाना चाहिए। इसके अलावा शिवलिंग पर गुलाब का इत्र अर्पित करें। इस उपाय को 11 सोमवार तक लगातार करें। इससे विवाह के योग बन सकते हैं और मनचाहे वर की प्राप्ति हो सकती है।

सोमवार को तरक्की के उपाय

अगर आपकी नौकरी में किसी तरह की कोई बाधा आ रही है तो नौकरी में तरक्की के लिए सोमवार के दिन शिवलिंग पर शहद चढ़ाएं। सोमवार के दिन शिव रक्षा स्तोत्र का पाठ करने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। आर्थिक समस्याओं से मुक्ति के लिए सोमवार के दिन गन्ने के रस से शिवलिंग का अभिषेक करें। इससे लाभ हो सकता है।

सोमवार को पारिवारिक शांति के उपाय

सोमवार का दिन भगवान शिव की पूजा को समर्पित है और सोमवार के सोम से चंद्रमा का संबंध है। चंद्रमा शांति का प्रतीक माने जाते हैं। इस दिन चंद्रमा के दर्शन करें और उसकी पूजा करें।

लू से बचना है तो अपनाइए इन्हें

चिलचिलाती गर्मी की वजह से लोगों के शरीर में पानी की कमी होना बेहद आम बात है। इसी के चलते इस मौसम में डॉक्टर्स ऐसे पकवानों के सेवन की सलाह देते हैं, जो शरीर को हाइड्रेट रखते हैं। क्योंकि अगर शरीर हाइड्रेट नहीं रहेगा तो लू लगने की संभावना और बढ़ जाती है। इसी के चलते इस मौसम में ऐसे ही पकवानों का सेवन बढ़ा देना चाहिए, जिसकी वजह से शरीर को गर्मी से राहत मिले। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही पकवानों के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप इस मौसम में भी खुद को फिट रख सकें।

सत्तू का शरबत

यदि आप लू से बचकर रहना चाहते हैं तो अपने रूटीन में सत्तू के शरबत को शामिल करें। सत्तू का शरबत शरीर को गर्मी से राहत दिलाता है। इसे आप चाय और कॉफी की जगह पी सकते हैं। इसे कई तरह से पिया जा सकता है। बहुत से लोग सत्तू का शरबत मीठा पीते हैं, तो वहीं बहुत से लोग इसमें नमक, प्याज, हरी मिर्च बगैरह डालकर पीते हैं।

मसाला छाछ

लू से बचने के लिए मसाला छाछ एक बेहतर विकल्प मानी जाती है। इसको आप आसानी से तैयार करके पी सकते हैं। अब तो बाजार में मसाला छाछ के पैकेट भी मिलते हैं, जिसको खरीद कर आप कभी भी पी सकते हैं। तो चाय-कॉफी छोड़िए और मसाला छाछ सा सेवन शुरू कीजिए।

आम पना

बाजार में इस वक्त कच्चे आम मिलने लगे हैं। ऐसे में आप आम पना बनाकर उसका सेवन भी कर सकते हैं। आम पना पीने में काफी स्वादिष्ट लगता है। चाहें तो इसे अपने स्वाद के हिसाब से खट्टा या फिर मीठा बनाएं। इसे बनाने के लिए आपको सिर्फ कच्चे आम को उबालकर उसका गूदा निकालना है और फिर उसमें मसाले डालने हैं।

खीरे या ककड़ी का रायता

ककड़ी और खीरा दोनों ही चीजें शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करती हैं। ऐसे में आप ककड़ी और खीरे का रायता बनाकर भी उसका सेवन कर सकते हैं। दही वैसे भी शरीर को ठंडक पहुंचाता है, ऐसे में जब आप उसमें ककड़ी और खीरा मिक्स करेंगे तो उसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा।

कार्नर न्यूज

आज की बचत कल का सुखद भविष्य

खुद सीखें और अपने बच्चों को भी सिखाएं बचत का यह तरीका, पैसा बढ़ेगा और भविष्य भी चमकेगा

बच्चों को जब भी सेविंग्स के बारे में समझाना होता है, तो उन्हें गुल्लक पकड़ा दी जाती है। लेकिन, अब जमाना बदल गया है और गुल्लक की जगह सेविंग्स के मॉडर्न तरीकों ने ले ली है। जिनसे पैसा भी बढ़ता है और भविष्य भी सिक्योर होता है। आइए, यहां जानते हैं सेविंग्स के मॉडर्न तरीके जिन्हें आप भी सीख सकती हैं और बच्चों को भी सीखा सकती हैं।

बचपन में बच्चा जो देखता है और सीखता है, वह उसके साथ जिंदगीभर रहता है। ऐसे में आज के दौर की जरूरत को समझते हुए बच्चों में बचत और निवेश की आदत बचपन से होनी चाहिए। स्कूल में जिस तरह से गणित, विज्ञान और भाषा की शिक्षा मिलती है, उसी तरह अगर हम बच्चों को पैसों की कीमत, बचत और निवेश जैसी छोटी-छोटी चीजें सिखाएं तो वह भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

बच्चों के बचत करने की जब भी बात आती है, तो उन्हें सबसे पहले गुल्लक मिल जाती है। लेकिन, आज की डिजिटल और तेजी से बदलती दुनिया में सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं है। मॉडर्न वर्ल्ड में सेविंग्स के तरीके भी मॉडर्न हैं। हालांकि, इसका बिल्कुल भी मतलब नहीं है बच्चे शेयर मार्केट में उतर जाएं और ट्रेडिंग करने

लगें। बल्कि, उन्हें सुरक्षित, आसान और लॉन्ग टर्म बेनिफिट्स के बारे में समझाना होगा। अगर आप भी चाहती हैं कि आपका बच्चा भी मॉडर्न तरीकों से पैसा बचाए, तो यहां हम ऐसे तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे बचत और मुनाफा दोनों कमाया जा सकता है।

किन मॉडर्न तरीकों से पैसा बचा सकते हैं बच्चे

एक समय था जब बच्चे गुल्लक में पैसा जोड़ते थे। यह तरीका तो अच्छा था लेकिन, गुल्लक में पैसा डालने से ब्याज नहीं मिलता है। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को बचत की कीमत समझाना चाहती हैं, तो RD की मदद भी ले सकती हैं। बता दें, आप 100 रुपये प्रति महीना की RD भी शुरू करवा सकती हैं। इसके लिए बस आपको बच्चे के नाम पर अकाउंट ओपन करवाना होगा। अकाउंट ओपन होने के बाद बच्चों को पॉकेट मनी से पैसा बचाकर अकाउंट में जमा कराने की सीख दे सकती हैं।

आप बैंक या पोस्ट ऑफिस में भी बच्चे का अकाउंट ओपन करवाकर आरडी शुरू कर सकती हैं। दरअसल, मौजूदा समय में बैंक से ज्यादा पोस्ट ऑफिस में इंटरेस्ट ज्यादा मिल रहा है। हालांकि, जब भी आप आरडी अकाउंट खुलवाने जाएं तो पहले इंटरेस्ट और टेन्योर आदि के बारे में पूरी जानकारी लें।

फिक्सड डिपॉजिट

जब भी बच्चों को सेविंग्स के बारे में समझाएं तो उन्हें बैंक अकाउंट में पैसे जोड़ने की सलाह दें। जब बच्चे 10 हजार भी जोड़ लें, तो उनकी फिक्सड डिपॉजिट बनवा दें। ऐसा करने से बच्चों के पैसे बचेंगे भी और बढ़ेंगे भी।